

संक्षिप्त ख़बरें

रामगढ़ में गीषण सड़क हादसा:
बैड-ताशा पार्टी के सात सदस्यों की मौत, एक गंभीर

रामगढ़। रामगढ़-बेकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर बारलोग के समीप गुजरात देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बैड-ताशा पार्टी से जुड़े सात लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सीरी स्थित रिम्स रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-23 जाम कर दिया और सड़क सुरक्षा संबंधी मांगों को लेकर राहत पर डेढ़ घण्टा जमैक पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पुलिस के अनुसार, बलसराण के दो लोग और मरांगमरखा गांव के बैड-ताशा पार्टी के सदस्य एक कार्यक्रम के सिलसिले में सारी वाहन से मरांगमरखा पहुंचे थे।

भारतीय सेना डिप्टी कमांडर

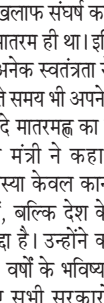
प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) थलसेना के डिप्टी कमांडर, ब्रिगेडियर जनरल स्टाफ, मोहम्मद खमसि मोहम्मद और रक्षा सहयोगी ने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उमैद द्विवेदी से मुलाकात की। नई दिल्ली में हुई इस उच्चस्तरीय सैन्य वार्ता ने दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक बगाने पर विमर्श किया गया। दोनों सेनाओं के बीच वार फिर रेखांकित किया। बैठक के दौरान भारत और यूएई की सेनाओं के बीच द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ बनाने पर विमर्श किया गया। दोनों सेनाओं के बीच पेशेवर सैन्य आदान-प्रदान का विस्तार करने पर बात हुई। इसके अलावा भारत व यूएई के सैन्य सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान करने पर भी व्यापक चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने प्रशिक्षण, सैन्य विशेषज्ञता के आदान-प्रदान, संयुक्त गतिविधियों और संस्थागत सहयोग को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। इस मुलाकात को लेकर रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय संसूच परिरक्ष के बीच भारत और यूएई के बीच मजबूत रक्षा साझेदारी दोनों देशों

इंस तस्करी लोगों के लिए

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने देश को नशे के खतरे से बचाने के लिए तैयार किए गए हॉबिजन डॉक्यूमेंट ऑन नारकोटिक्स कंट्रोल्स का भी शुभारंभ किया। संविधान में अमिट शाह ने कहा कि देश आज नशे के खिलाफ लड़ाई के बेहत निष्पायक मोड़ पर खड़ा है और आने वाले तीन साल बेहद अहम होंगे। अमित शाह ने कहा कि 26 जून भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। एक ओर देश नशे के खिलाफ प्रभावी रोडमैप तैयार कर रहा है, वहीं अगर महान साहित्यकार बाँकिम चंद्र चट्टोपाধ্যाय की जननीती भी है। बाँकिम बाबू ने गुलामी के दौर में देश के आत्मविश्वास को जगाने का काम किया और वंदे मातरम् जैसे अमर रचना दी। उन्होंने कहा, हठ्वादे मातरम् केवल एक नाया या मत नहीं है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रभक्ति और देश के पुनर्वनिर्माण का मंत्र है। राजघाटी की लडाईं जारी रखने के लिए सभी सरकार का विश्व नहीं, बल्कि देश के जुड़ा गाँभीर मुदा है। उन्होंने क के अगले 100 वर्षों के भविष्य



प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर काँक्रोकर जनता पार्टी (सीजेपी) का घरना सातवें दिन भी जारी रहूँ, जहाँ देर रात शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के जन्मदिन पर प्रदर्शनकारियों ने ओनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने पहले ढाढ़पी भी बर्थडेहूँ गाकर मंत्री को शुभकामनाएँ दीं और तुरंत बाद उनको इस्तीफे की माँग करके हूँ नारे लगाए। संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि मंत्री का छात्रों की समस्याओं का समाधान न कर पाना उनको विफलता है, और उनका इस्तीफा ही युवाओं के लिए सबसे बड़ा उपहार हूँगा। प्रदर्शनकारियों ने देश की प्रतियोगी परीक्षाओं में व्याप्त विवादों और पापदर्शिता को कमी पर सरकार को घेरा है। उनका आरोप है कि शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही के अभाव ने लाखों छात्रों के भविष्य को संकट

में डाल दिया है। अभिजीत ने स्पष्ट किया कि यह आरोप किसी व्यक्तिगत द्वेष के लिए बल्कि शिक्षा प्रणाली में गंभीर और छात्रों के भविष्य को सुनकरने के लिए चलाया जा रहे जसने लगातार जनसमर्थन रहा है। घरना प्रसार पर दे एक कार्यकर्ता के साथ मा की घटना ने स्थिति को तना बना दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मूकदर्शक बने रहने समर्थ रहते हस्तक्षेप न कर गंभीर आरोप लगाया है। इस के बाद से माहौल गरमाया हूँ और संगठन ने निष्पक्ष जाँच माँग की है। उखड़ ने घोषणा कि जब तक उनको माँगें पूरती हों, तब तक यह आंदोलन मजबूती के साथ जारी रहेगा।

पर सख्ती, न सहानुभूति :



लिफ्ट गए फैसले
उनकी नियमित
गंभीर विक्षेपण
सफलता मिलेगी
साझा करने पर
शाह ने बताया कि
(एनसीबी) ने
पोर्टल विकसित
से आग्रह किया
मामलों का वि
पर अपलोड कि
लगातार निगरान
फीडबैक दे सके
का नारकोटिक्स
हो रहा है। इन्
इस्तेमाल कर र
कावाई और च
इस पूरे नेटवर्क
समय और आ
होगी। उन्होंने स
कारोबार में शी
सरकार की नीति
चाहिए। वहीं, उ
उनके प्रति सह
पुनर्वास और स
लाने पर जोर दे

असे बड़ा
स गवाह
नी फांसी
तेम शब्द
उच्चारण
मादक
व्यवस्था
विषय से
कि देश
सुरक्षित
व्यवाहों,

संतों, युवाओं और मातृशक्ति को एक मंच
पर आकर संयुक्त रूप से काम करना होगा।
उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई
में समाज के हर वर्ग की भागीदारी बेहद
जरूरी है। अमित शाह ने सभी राज्यों के
मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों से
अपील की कि राष्ट्रीय नशीले पदार्थ समन्वय
पोर्टल (एनसीओआरडी) की बैठकों को
केवल औपचारिकता तक सीमित न रखा
जाए, बल्कि उन्हें पूरी तरह परिणाम-उन्मुख
बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बैठकों में

शे के शिकार

अमित शह

प्रभावी क्रियान्वयन हो, प्रलोभा हो और कमियों का भाग जाए, सभी वास्तविक उन्होंने रियल-टाइम सूचना विशेष जोर दिया। अमित कारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के लिए कई डिजिटल किए हैं। उन्होंने रायों के सभी ड्रम्स से जुड़े समय पर इन पोर्टल्स जाए, ताकि केंद्र सरकार पर आवश्यक सुझाव और मह मंत्री ने कहा कि आज उर्वक लगातार विकसित स्फ़रक -25 तकनीकों का है, जिससे उनके खिलाफ परिपूर्ण हो गई है। इसलिए नो तोड़ने के लिए एक एक करणीति अपनानी कहा कि ड्रम्स के अवैध अपराधियों के खिलाफ री तरह बेहद सख्त होंने लोग नशे के शिकार हैं, त अपनाते हुए इलाज, त की मुख्यधारा में वापस चाहिए। अमित शह ने

पिछले वर्षों में नशे के खिलाफ हुई कार्रवाई के आंकड़े भी साझा किए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच देश में 26 लाख किलोग्राम सिंथेटिक ड्रम्स जप्त किए गए थे। जबकि 2014 से 2026 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 1 करोड़ 18 लाख किलोग्राम तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि सरकार का अभियान लगातार प्रभावी और सफल दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि 2004 से 2014 के दौरान जप्त किए गए ड्रम्स की कीमत करीब 40 हजार करोड़ रुपए थी, जबकि 2014 से 2026 के बीच जप्त किए गए मादक पदार्थों का मूल्य बढ़कर लगभग 1 लाख 84 हजार करोड़ रुपए हो गया। उनके मुताबिक, यह नशे के कारोबार के खिलाफ सरकार की कार्रवाई की व्यापकता और प्रभावशीलता को दर्शाता है। संबोधन के अंत में अमित शह ने कहा कि देश को नगामत्क बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार, सुरक्षा एजेंसियों और समाज को मिलकर लगातार काम करना होगा। उन्होंने दोहराया कि नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले वर्षों में इस दिशा में और अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर ट्रस्ट भंग कर चंदा, चढ़ाया मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच : कांग्रेस

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदे और चढ़ावे में स्थित अनियमितताओं के आरोपों से उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच करने, दोषियों के खिलाफ खत कार्रवाई करने तथा राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर उसमें राजनीतिक लोगों के स्थान पर साधु-संतों एवं धार्मिक व्यक्तियों को शामिल करने की मांग की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को हाई प्राई मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर देश के गांवों और गरीब लोगों से आस्था के आधार पर चंदा कट्र किया गया लेकिन उसकी स्थिति लूट हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राथमिकी में केवल गैरेट कर्मचारियों के नाम शामिल हुए गए, जबकि बड़े लोगों की प्राथमिकी का जांच नहीं की गई। उन्होंने सराफा किया कि बड़े लोगों की मिलीभगत के बिना कोई छोटा कर्मचारी सीसीटीवी बंद कर इतनी डीडी रकम की ओर कैसे कर दे सकता है। उनका आरोप था कि चंदे चढ़ावे को कम दिखाया जाता है, जबकि महिलाओं द्वारा चढ़ाए गए आभूषणों का कोई रिकॉर्ड नहीं खा गया। श्री शुक्ला ने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोगों की धार्मिक आस्था के साथ विस्वासघात किया है। भाजपा ने मंदिर प्रकोष्ठ बनाकर योजनाबद्ध तरीके से मंदिर ट्रस्टों पर कब्जा करने का प्रयास किया है ताकि चंदे और चढ़ावे का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने हज्जो को लोए है, उन्हें सत्ता में लाइएहू का नारा दिया था। अब भगवान राम के नाम पर कथित लूट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस ने मांग की कि इस मामले की शीर्ष अदालत की निगरानी में जांच कराई जाए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हस्तक्षेप कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा राम मंदिर ट्रस्ट का पुनर्गठन कर उसमें साधु-संतों और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों को शामिल किया जाए।

के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दोनों सेनाओं के बीच नियमित संपर्क और सहयोग न केवल सैन्य क्षमताओं को मजबूत करेगा, बल्कि क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को भी बढ़ावा देगा। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने तथा दीर्घकालिक सहयोग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने पर सहमति व्यक्त की गई। गौरतलब है कि भारत और यूएई के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। दोनों देश नियमित सैन्य संवाद, प्रशिक्षण और रणनीतिक साझेदारी के अपने संबंधों को लगातार मजबूत कर रहे हैं। शुक्रवार को नई दिल्ली मुलाकात उसी दिशा में एक कदम मानी जा रही है। सैन्य यह बैठक भविष्य में दोनों देशों के बीच और अधिक समन्वयपूर्ण कामगार प्रशस्त करेगी। रक्षा विभागों के भारत-यूएई रक्षा संबंधों में प्रगाढ़ता न केवल द्विपक्षीय सशक्त बनाएगी, बल्कि व्यापक क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के साझा प्रयासों की भी नई मंज करेगी।

इस अभियान के माध्यम से भारत ने

वेनेजुएला सहारा, शु

प्रातः किरण, एग्रेसी

नई दिल्ली। उत्तरी वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से भारत ने प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है। इसके लिए भारतीय सेना की एक विशेष मेडिकल टुकड़ी को वेनेजुएला रवाना किया गया है। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यों वाला, भारतीय वायुसेना के दो विमानों से वेनेजुएला के लिए रवाना हुआ है। इनमें नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं। यह दल वेनेजुएला के आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार, सर्जरी, ट्रॉमा प्रबंधन तथा प्रभावित लोगों को गहन चिकित्सा









































































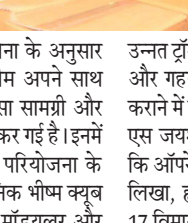












5 में भारत खाना

भारत अमिस्ताद

हॉस्पिटल यूनिट के साथ 35 टन
 एक राहत सामग्री, दवाइयाँ और
 सा उपकरण शामिल हैं। इसके
 दो भीष क्यूब भी भेजे गए हैं।
 इस कठिन समय में वेनेजुएला
 कार और वहां के लोगों के साथ
 तथा हरसंभव सहायता देने के
 तिवद्ध है। भीष क्यूब की सबसे
 शेषता यह है कि यह कम समय
 पेत होकर लगभग 200 मरीजों
 को उपचार और जीवनरक्षक
 एं प्रदान कर सकता है। इस
 में भारत की आपदा प्रतिक्रिया
 को नई मजबूती दी है। इसे दुनिया
 भन् संकटग्रस्त क्षेत्रों में (त्व्रित
 पाहुँचाने के उद्देश्य से विकसित
 है। भारत का यह मिशन
 राहत सामग्री भेजने तक सीमित
 , बल्कि यह संकट की घड़ी में
 को के साथ खड़े रहने की उसकी
 ही प्रतीक है। वेनेजुएला के

लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए
 भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत
 इस संकट में मदद के लिए मौजूद है; हम
 आपके साथ हैं। ऑपरेशन अमिस्ताद
 भारत की उस मानवीय सोच को भी
 दर्शाता है, जो हावसुधैव कुटुम्बकम्ह
 अर्थात् ह्यपरा विश्व एक परिवार हैहै
 के सिद्धांत पर आधारित है। प्राकृतिक
 आपदाओं और मानवीय संकटों के
 दौरान सहायता पहुंचाने की भारत की
 परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह अभियान
 वैश्विक मानवता, करुणा और सहयोग
 के प्रति देश की प्रतिबद्धता को एक और
 उदाहरण बन गया है। वेनेजुएला में
 राहत एवं चिकित्सा सहायता का यह
 मिशन हजारों विभावित लोगों के लिए
 उम्मीद की किरण बनेगा। साथ ही साथ
 यह प्रयास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत
 की विश्वसनीय और जिम्मेदार मानवीय
 शक्ति की छवि को भी और मजबूत
 करेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत से फैली सनसनी, परिजनों को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

रुद्रपुर, एजेंसी। ट्रांजिट कैप थाना क्षेत्र स्थित कृष्णा विहार कॉलोनी में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा. गौर हो कि रुद्रपुर के ट्रांजिट कैप कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कृष्णा विहार कॉलोनी में एक 48 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है. घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए. सूचना मिलने पर ट्रांजिट कैप पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की. प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कमलेश चंद्र दुबे पुत्र रामदास दुबे निवासी कृष्णा विहार कॉलोनी, फुलसुगा, ट्रांजिट कैप के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि बुधवार शाम पड़ोस में रहने वाले लोगों को काफी देर तक घर के अंदर कोई हलचल दिखाई नहीं दी. इसी दौरान पड़ोसी ने घर के बंद गेट से अंदर झांककर देखा तो व्यक्ति पेट के बल जमीन पर पड़े हुए दिखाई दिए. उसके शरीर में कोई हकत नहीं हो रही थी.घटना की जानकारी तुरंत परिजनों और पुलिस को दी गई. सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घर के अंदर जाने का प्रयास किया. बाद में दरवाजे का कुंडा तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया गया. अंदर पहुंचने पर व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला.सूचना पर ट्रांजिट कैप कोतवाली के उप निरीक्षक महेश कांडपाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी. शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी की गई और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा तथा उसी के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है. पुलिस के अनुसार मृतक के नाक और मुंह से खून निकल रहा था तथा घुटनों पर चोट के निशान भी पाए गए. वहीं कमरे की तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई. स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि मृतक को शराब पीने की आदत थी, हालांकि मौत का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है.वहीं परिजनों और स्थानीय लोगों की नजर अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हुई है, जिससे मौत के कारणों का खुलासा हो सके.

मिशन ज्ञान गंगा से पढ़ाई बनी रोचक, छात्रों तक पहुंचा रहे डिजिटल शिक्षा कंटेंट, नीति आयोग ने भी की सराहना



हरिद्वार, एजेंसी। स्कूली बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने के लिए हरिद्वार प्रशासन की ओर से मिशन ज्ञान गंगा की शुरुआत की गई है. जिसमें स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम की रोचक और ज्ञानवर्धक रील्स, शॉर्ट वीडियो बनाकर कंटेंट शेयर किया जा रहा है. रुड़की में स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के शिक्षकों द्वारा तैयार किए जा रहा ये वीडियो कंटेंट क्लास 3 से 12वीं के छात्र देख रहे हैं. अधिकारियों का कहना है कि इससे छात्रों के समय का सही इस्तेमाल होगा. साथ ही रोचक वीडियो उपलब्ध होने पर बच्चे कठिन विषय को भी आसानी से समझ सकेंगे. सीडीओ ललित नारायण मिश्र ने जानकारी दी कि इस मिशन की केंद्रीय नीति आयोग के द्वारा भी सराहना की गई है. वहीं लगातार फोन पर वीडियो देखने वाले स्कूली छात्र भी इस वीडियो कंटेंट को देख रहे हैं. दरअसल, स्कूली बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने और डिजिटल माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हरिद्वार प्रशासन ने मिशन ज्ञान गंगा की शुरुआत की है. इस अभियान पहल के तहत स्कूल कोर्स से संबंधित रोचक, ज्ञानवर्धक और आसान भाषा में तैयार किए गए शॉर्ट वीडियो, रील्स और डिजिटल कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्रों तक पहुंचाए जा रहे हैं. रुड़की स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान यानी 'डायट' के शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए जा रहे ये वीडियो कक्षा तीन से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए बनाए जा रहे हैं. इन वीडियो में गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी जैसे सभी विषयों के कठिन सिलेबस को सरल तरीके से समझाया जा रहा है. हरिद्वार के अलावा अन्य स्कूली बच्चों को भी मिलेगा लाभ: हरिद्वार जिले में सरकारी और निजी विद्यालयों को मिलकर लगभग चार लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं. मिशन ज्ञान गंगा का लाभ सीधे तौर पर इन विद्यार्थियों को मिलेगा. इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होने के कारण प्रदेश के अन्य जिलों और देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले छात्र भी इस कंटेंट का लाभ उठा सकेंगे.

कॉर्बेट घूमने आए पर्यटक पहुंचे जेल, रिसॉर्ट संचालक से मारपीट, पुलिस से भी अभद्रता के आरोप

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल जिले के रामनगर स्थित टेढ़ा गांव में स्थित रिसॉर्ट में पर्यटकों, जिप्सी चालक और रिसॉर्ट संचालक के बीच विवाद का मामला अब कानूनी कार्रवाई तक पहुंच गया है. मामले में रिसॉर्ट संचालक की तहरीर पर पुलिस ने पर्यटकों और जिप्सी चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं, महिला उपनिरीक्षक के साथ कथित अभद्रता और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में एक अलग मुकदमा भी दर्ज किया गया है. दरअसल, रानीबाग निवासी एवं कॉर्बेट फन रिसॉर्ट के संचालक मुकेश जोशी ने पुलिस में एक तहरीर दी थी. जिसमें उन्होंने बताया था कि बीती 24 जून को उनके रिसॉर्ट में मेक माय ट्रिप के माध्यम से बुकिंग कराने वाले दो पर्यटक पहुंचे थे. इनमें अविनाश कुमार पुत्र इंदर सिंह निवासी सेक्टर 22 चंडीगढ़ और एक युवती निवासी दिलशाद एक्सटेंशन 2, साहिबाबाद, गाजियाबाद शामिल थे. दोनों पर्यटक और जिप्सी चालक पर गंभीर आरोप: तहरीर के मुताबिक, दोनों पर्यटक दिन में रिसॉर्ट पहुंचने के बाद



जिप्सी से कॉर्बेट भ्रमण के लिए जंगल सफारी पर गए थे. शाम करीब 6 बजे लौटने के बाद जिप्सी चालक शमशाद पुत्र खलील अहमद निवासी भवानीगंज (रामनगर) भी उनके कमरे में चला गया. मुकेश जोशी का आरोप है कि जब उन्होंने जिप्सी चालक शमशाद का आधार कार्ड मांगा और कमरे में उसकी मौजूदगी पर आपत्ति जताई, तो कमरे का दरवाजा खुलने पर अंदर शराब और

बीयर की बोतलें दिखाई दीं. आरोप है कि जिप्सी चालक को कमरे से बाहर आने के लिए कहने पर अविनाश कुमार, युवती और शमशाद ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट की. रिसॉर्ट संचालक ने किसी तरह से बचाई अपनी जान, महिला उपनिरीक्षक का से अभद्रता का आरोप: रिसॉर्ट संचालक मौजूदगी पर आपत्ति जताई, तो कमरे का को बचाया और सुरक्षित स्थान पर

उत्तराखंड कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का जल्द होगा ऐलान, गोदियाल-सैलजा की मुलाकात

देहरादून, एजेंसी। लगभग आठ माह के लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी जल्द ही घोषित होने की उम्मीद जगी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल मंगलवार को दिल्ली में पार्टी की महासचिव एवं उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा से हुई मुलाकात को इससे जोड़कर देखा जा रहा है। बताया गया कि अब प्रदेश कार्यकारिणी के नामों पर लगभग सहमति बन गई है। इसका आकार छोटा रहेगा, लेकिन क्षेत्रीय व जातीय संतुलन साधने के दृष्टिगत इसमें सभी जिलों को तबज्जो दी जाएगी।

उत्तराखंड में कांग्रेस वर्ष 2017 से सत्ता में आने को छटपटा रही है। इसे देखते हुए कांग्रेस अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस चुकी है। पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप तो दिया है, लेकिन आठ माह पूर्व नियुक्त किए गए प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को अभी तक उनकी टीम नहीं दी गई है। वह भी तब जबकि टीम के नामों की सूची पार्टी हाईकमान को सौंपी जा चुकी है। ऐसे में कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को भी झटका लगा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अब प्रदेश कार्यकारिणी के नामों पर सहमति बन चुकी है। दो या तीन दिन के भीतर कार्यकारिणी घोषित हो जाएगी।

एमबीपीजी कॉलेज में एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, एक छात्र घायल

हल्द्वानी, एजेंसी। नैनीताल जिले के हल्द्वानी एमबीपीजी कॉलेज में पोस्टर और हस्ताक्षर अभियान को लेकर एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया. विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई हुई, जिसमें एक छात्र घायल हो गया. घायल छात्र का उपचार बेस अस्पताल में चल रहा है. जानकारी के अनुसार, आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर एबीवीपी द्वारा कॉलेज गेट के बाहर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा था. कॉलेज परिसर में



परीक्षाएं चलने के कारण यह कार्यक्रम बाहर आयोजित किया गया था. वहीं, एनएसयूआई से जुड़े छात्र नेता मेहुल साह ने नीट-यूजी और अन्य भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने के विरोध में परिसर के अंदर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया. कॉलेज में परीक्षाएं संचालित होने का हवाला देते हुए एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने एनएसयूआई के कार्यक्रम का विरोध किया. इस दौरान लगाए गए पोस्टरों को लेकर भी दोनों पक्षों में नाराजगी देखने को मिली. मामला बढ़ने पर इसकी

जंगल से निकल हाईवे पर आए गजराज, अपनी गाड़ियां छोड़कर भागे लोग, वीडियो आया सामने

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल जिले के कालाढ़ूंगी में हाईवे पर कल गुरुवार 25 जून शाम को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक टस्कर हाथी अचानक जंगल से निकलकर हाईवे पर आ गया. हाथी काफी देर तक हाईवे पर ऐसे ही घूमता रहा. हाथी को देखते ही सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी. लोग अपनी जान बचाने के लिए वाहन छोड़कर इधर-उधर भागने लगे. इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है. जानकारी के मुताबिक कालाढ़ूंगी हाईवे पर गड़प्पू जंगल के पास अचानक से विशालकाय जंगली हाथी आ गया था. हाथी को देखकर हाईवे के दोनों तरफ गाड़ियों की लाइन लग गई. लोगों

का लगा कि हाथी कुछ ही देर में चला जाएगा. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाथी काफी देर तक सड़क पर ही ठहलता रहा. इस दौरान उसने कई बार लोगों और वाहनों की ओर बढ़ने की कोशिश की, जिससे मौके पर मौजूद लोग घबरा गए. कई लोगों ने अपनी जान बचाने के लिए वाहन सड़क पर ही छोड़ दिए और सुरक्षित स्थानों की ओर भाग गए. कुछ लोग दूर से हाथी की गतिविधियों को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड करते रहे. हालांकि बिना किसी को नुकसान पहुंचाए हाथी जंगल में चला गया. इसके बाद लोगों ने भी राहत की सांस ली और हाईवे पर यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा.

रुद्रपुर, एजेंसी। इस अवसर पर निकाले जाने वाले ताजियों को लेकर उत्तराखंड हाईकोर्ट के एक महत्वपूर्ण आदेश के बाद जसपुर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है. हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए निर्देश दिया है कि मुहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजियों की ऊंचाई 15 फीट से अधिक नहीं होगी और किसी भी सरकारी अथवा निजी संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा. आदेश के बाद प्रशासन ने नगर पालिका और पुलिस विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं. मुहर्रम के ताजिए की ऊंचाई 15 फीट से ज्यादा नहीं होगी. देशभर में मुस्लिम समुदाय आज मुहर्रम मना रहा है. मुस्लिम ताजिया के जुलूस में या हुसैन के नारे के साथ मातम मनाते हैं. आज रोजा, दुआ और सदका का खास दिन है. उत्तराखंड के जसपुर क्षेत्र में मुहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजियों को लेकर उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट हैं. जसपुर निवासी मोहित गर्ग द्वारा दायर की गई याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2024 में मुहर्रम के दौरान निकाले गए ऊंचे ताजियों के कारण उनके मकान को



नुकसान पहुंचा था. उनका आरोप था कि ताजिए की ऊंचाई अधिक होने के कारण मकान के छज्जे और अन्य हिस्सों को क्षति पहुंची थी. इसके अलावा जुलूस के दौरान पूरे दिन बिजली आपूर्ति बाधित रहने से आम लोगों और व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा था, जिससे आर्थिक नुकसान हुआ था. याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट का आदेश: इन परिस्थितियों को देखते हुए मोहित गर्ग ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था. सुनवाई के बाद न्यायालय ने प्रशासन को निर्देश दिए कि ताजियों की

टेंशन से छुटकारा पाने के लिए चुराता था महिलाओं के कपड़े, दोस्त ने दी थी सलाह, विदेश में की है पढ़ाई

हल्द्वानी, एजेंसी। नैनीताल जिला मुख्यालय हल्द्वानी से बड़ी अजीब खबर सामने आई है. हल्द्वानी में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर आरोप है कि वो घरों से महिलाओं के कपड़े चोरी करता था. आरोपी का कपड़े चोरी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ था. इसी के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी. नैनीताल एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किए गए सभी कपड़े बरामद कर लिए हैं. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीती 19 जून को तड़के को करीब साढ़े तीन बजे एक युवक दीवार फांदकर महिला के घर के परिसर में घुस गया और बाहर सूख रहे कपड़े चोरी कर फरार हो गया. पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी. महिला के कपड़े चोरी करने का वीडियो जब सामने आया तो लोगों में नाराजगी देखने को मिली. साथ ही महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठे. वहीं इस मामले में 23 जून का जिस महिला के कपड़े चोरी हुई थे, उसकी तरफ से भी हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर दी गई, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और मामले की जांच शुरू की. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टीसी ने तत्काल आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए. प्रभारी निरीक्षक विजय मेहता के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो व अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की. लगातार की गई जांच के बाद पुलिस ने टैगोर पब्लिक स्कूल के पास स्थित क्रिकेट मैदान, पंचायतघर रोड क्षेत्र से आरोपी निकेत सिंह बिष्ट को गिरफ्तार कर लिया. पृष्ठछाछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए महिला के सभी कपड़े भी बरामद कर लिए गए. आरोपी ने बताया कि कोरोना काल में वह विदेश से पढ़ाई कर हल्द्वानी लौटा था. एक दोस्त की सलाह पर उसने महिला के अंडरगार्मेंट चुराये.

लोहाघाट से 400 ग्राम चांदी चुराकर भागे थे शाहिद और सहाबुल, 24 घंटे के अंदर दिल्ली एयरपोर्ट के पास से अरेस्ट



थाना लोहाघाट में तहरीर देकर बताया कि उनके यहां कार्यरत दो व्यक्ति चांदी लेकर फरार हो गए हैं. शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी. दिल्ली एयरपोर्ट के पास से हुए गिरफ्तार: घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी और माल बरामदगी के लिए विशेष टीम गठित की गई. पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण,

की पहचान शाहिद अली मलिक पुत्र अजगर अली मलिक निवासी हावड़ा, पश्चिम बंगाल तथा उसके सहाबुल पुत्र उसके सराफत मौला निवासी हावड़ा, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है. तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 400 ग्राम चांदी बरामद की गई. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. चंपावत पुलिस ने 100 प्रतिशत बरामदगी का दावा किया: चंपावत पुलिस अधीक्षक रेखा यादव में शत प्रतिशत चोरी के माल की बरामदगी पुलिस द्वारा कर दोनों आरोपियों को दिल्ली एयरपोर्ट के पास से गिरफ्तार करने की बात कही है. साथ ही दर्ज मुकदमे के आधार पर न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की बात कही है.

चंपावत में 75 लाख की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार, पीलीभीत से लाकर युवकों को बेचता था

चंपावत, एजेंसी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में चम्पावत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. टनकपुर क्षेत्र से 75 लाख रुपये मूल्य की 253 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस पृष्ठछाछ में कई अहम खुलासे हुए हैं और मुख्य सत्यायार की तलाश जारी है. मुख्यमंत्री के 'ड्रम्स फ्री देवभूमि अभियान' को सफल बनाने की दिशा में चम्पावत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने टनकपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 253 ग्राम अवैध स्मैक (हेरोइन) के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 75 लाख रुपये बताई जा रही है. पुलिस अधीक्षक चम्पावत रेखा यादव के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में 24 जून 2026 को कोतवाली टनकपुर और एसओजी टीम के संयुक्त नेतृत्व में सघन चैकिंग अभियान चलाया गया.



पटरी के समीप मोटरसाइकिल पर बैठे एक संदिग्ध युवक की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 253 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई. पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान तस्लीम मंसूरी (21 वर्ष) पुत्र सलीम मंसूरी निवासी वार्ड नंबर-06, मीना बाजार, बनबसा, जनपद चम्पावत के रूप में हुई है. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 253 ग्राम स्मैक, बिना नंबर प्लेट की एक स्क्लेंडर मोटरसाइकिल, 900 रुपये नकद तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया है.

मुहर्रम पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद ताजियों की ऊंचाई 15 फीट तक सीमित रहेगी, प्रशासन अलर्ट

ऊंचाई 15 फीट से अधिक न होने दी जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी व्यक्ति की संपत्ति को कोई नुकसान न पहुंचे. ताजिए से संपत्ति को पहुंचा था नुकसान: याचिकाकर्ता मोहित गर्ग ने कहा कि उन्हें किसी भी समुदाय या धार्मिक आयोजन से कोई आपत्ति नहीं है. उनका उद्देश्य केवल अपनी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना है. उन्होंने कहा कि दो वर्ष पहले उनके मकान को नुकसान पहुंचा था, इसलिए उन्होंने न्यायालय से सुरक्षा की मांग की थी. उन्होंने न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि अब प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना दोबारा न हो. पुलिस प्रशासन सतर्क: वहीं, उपजिलाधिकारी जसपुर राहुल शाह ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में 16 जून को मामले का निराकरण कर दिया गया था. उन्होंने नगर पालिका और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मुहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजियों की ऊंचाई 15 फीट से कम रखी जाए तथा जुलूस मार्ग पर किसी भी निजी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न होने दिया जाए.

साँझपन खबरें

सेप्टिक टैंक में उतरे तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री में शुक्रवार को सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक मजदूर के बेहोश होने पर उसे बचाने के लिए दो अन्य साथी भी टैंक में उतर गए, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर दिल्ली दमकल की टीम मौके पर पहुंची और तीनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12:03 बजे दमकल विभाग को मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फैक्ट्री नंबर- 93/8 में सेप्टिक टैंक में लोगों के फंसे होने की सूचना मिली। ज्वाला पुरी फायर स्टेशन से दो वाटर टैंडर मौके के लिए रवाना किए गए। रास्ते में ट्रैफिक जाम मिलने पर टिकरी स्टेशन से भी एक अतिरिक्त वाटर टैंडर भेजा गया। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान एसडीएम मुंडका को भी मौके पर बुलाया गया।

खतरनाक इमारत की पहचान पर नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली में एमसीडी प्रशासन खतरनाक इमारतों का सर्वे कर रहा है। इसमें कुछ इमारतों को मरम्मतत योग्य पाए जाने पर नोटिस जारी किए गए हैं। निगम अधिकारियों ने बताया कि मानसून से पहले निगम प्रशासन द्वारा हर वर्ष एक अप्रैल से 30 जून तक खतरनाक और जर्जर इमारतों का सर्वे किया जाता है। इस वर्ष अब तक 24 लाख से अधिक रकमी श्रेणियों की संपत्तियों व इमारतों का सर्वे किया गया है। इसमें दस से अधिक संपत्तियों व इमारत की स्थिति मरम्मत योग्य पाए जाने पर उन्हें इसे ठीक करने के नोटिस जारी किए गए हैं। बार से अधिक संपत्ति व इमारत खतरनाक स्थिति में पाई गई हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई के नोटिस जारी किए गए हैं। सर्वे अभी भी जारी है।

अजमेरी गेट में घर की रसोई में लगी आग, दो सगे भाई झुलसे

नईदिल्ली।मध्य दिल्ली के अजमेरी गेट इलाके में एक मकान की रसोई में आग लगने से दो सगे भाई झुलस गए। दोनों को स्थानीय लोगों और पीसीआर की मदद से लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस और दमकल विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। दिल्ली दमकल के अनुसार, गुरुवार रात करीब 11:25 बजे जीबी रोड के पीछे भीमल्ला नित्यारियान, अजमेरी गेट स्थित एक मकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही घर में मौजूद दो भाई आग की चपेट में आकर झुलस चुके थे। स्थानीय लोगों और पीसीआर की मदद से दोनों को तत्काल एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया गया। इसके बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

बेटी के साथ यौन शोषण के आरोपी को राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को जमानत देने से मना कर दिया है। आरोपी पर अपनी ही बेटी के साथ दस साल तक यौन शोषण करने का आरोप है। मानविक रोग से पीड़ित 17 साल की पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब वह छह साल की थी, तब से पिता उसके साथ दुष्कर्म कर रहे हैं। मामले में पिता के खिलाफ पंचको के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने पिता की इस दलील को खारिज कर दिया कि जाबालिंग के देावे उसकी मानविक हालत के कारण भरोसे लायक नहीं हैं। पेश मामला 26 जनवरी को साकेत थाने में दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी को 5 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था।

चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद विपक्षी नेताओं ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और स्टूटी अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद विपक्ष ने केंद्र और ट्रस्ट पर तीखे सवाल उठाए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य हरीश राउत ने कहा, चंपत राय के इस्तीफे से क्या हसिल होगा ? एक एसआईटी बनाई गई थी और उसने अपनी रिपोर्ट भी सौंप दी।

केजरीवाल ने रामलला के दर्शन कर की चढ़ावा चोरों को कठोर दंड देने की प्रार्थना

●राम मंदिर से चढ़ावा के पैसे समेत सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले महापापी- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आयोज्य स्थित श्री राम मंदिर के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे श्री राम मंदिर में प्रभु श्री रामलला के दर्शन का परम सौभाग्य मिला। यह भव्य मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था और गौरव का प्रतीक है। श्री राम मंदिर में प्रभु की मनमोहक मूर्त की दिव्य आभा को शब्दों में पिरोना असंभव है। इसके बाद हनुमान गढ़ी मंदिर में बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त हुआ एवं महंत धर्मदास समेत अन्य साधु-

गुरु की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : पीर महेश्वर नाथ जी महाराज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। श्रीश्री 108 ब्रह्मलीन पीर मंगल नाथ महाराज जी की स्मृति में शुक्रवार को वार्षिक सत्संग एवं भंडारा प्राचीन शिव मंदिर, फिरोजशाह कोटला के पीछे रोज गाऊन, आईटीओ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अन्य कई राज्यों सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में संत-महात्माओं, गणमान्य अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु महाराज को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, गुरु वंदना

एसआईआर प्रक्रिया के बारे में जानेंगे स्कूलों के छात्र

नई दिल्ली। स्कूली छात्र अब मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में जानेंगे। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा नौ की सामाजिक विज्ञान की किताब में इसे शामिल किया है। एनसीईआरटी की नई किताब में मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया, मतदाताओं के सत्यापन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। द्वाइंडरस्टैंडिंग सोसायटी: इंडिया एंड बियाॅन्ड्रड नाम की किताब में बताया गया है कि ह्राइस प्रक्रिया से सभी मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना सुनिश्चित किया जाता है।

टीईएलयूएस डिजिटल इंडिया ने प्राइड मंथ के दौरान LGBTQIA+ अवसरों को बढ़ाया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

टीईएलयूएस डिजिटल इंडिया, जो एआई-समर्थित कस्टमर एक्सपीरियंस और बिजनेस प्रोसेस सॉल्यूशंस में अग्रणी है, ने यह दोहराया है कि वह ऐसा कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जहाँ हर टीम सदस्य को सम्मान, सहयोग और सफलता के लिए सशक्त महसूस हो। जून 2026 के दौरान, प्राइड मंथ के अवसर पर कंपनी LGBTQIA+ टैलेंट के लिए विशेष हायरिंग पहल, जागरूकता कार्यक्रम और कर्मचारी एंगेजमेंट गतिविधियों के माध्यम से अवसर प्रदर्शन वाली टीमों के निर्माण के लिए आवश्यक है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, इफितकार अहमद, सीनियर डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, टीईएलयूएस



महात्माओं के सान्निध्य का सौभाग्य मिला। राम मंदिर से चढ़ावा के पैसे समेत सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले महापापियों को कठोर

आयोजक श्रीश्री 108 पीर महेश्वर नाथ जी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा कि गुरु की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। समाज में प्रेम, सेवा और सद्भाव का दीप जलाकर ही हम अपने गुरुओं के बताए मार्ग का सच्चा अनुसरण कर सकते हैं। विशेष अतिथि प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर के महंत श्री सुरेन्द्र नाथ जी महाराज ने अपने आशीर्वाचन में कहा कि गुरु का सान्निध्य मनुष्य के जीवन को दिशा, संस्कार और आत्मबल प्रदान करता है। गुरु की कृपा से ही जीवन सार्थक बनता है। मुख्य अतिथि जंगपुरा विधानसभा



एवं भजन-कीर्तन के साथ हुआ। संत-महात्माओं ने अपने प्रवचनों में गुरु परंपरा, मानव सेवा, सामाजिक समरसता एवं आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के

जनसुनवाई में मिली शिकायत पर एक्शन

●दिल्ली की सीएम ने फॉर्टिस अस्पताल की जांच के लिए आदेश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनसुनवाई के दौरान मिली एक शिकायत पर कार्रवाई करते हुए शालीमार बाग स्थित फॉर्टिस अस्पताल का तुरंत निरीक्षण करने का आदेश दिया है। इसके बाद अधिकारियों की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल का निरीक्षण किया और कुछ अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते सरकार ने पूरी जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बयान में कहा,



जांच के दौरान यदि कोई अनियमितता साबित होती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली का हर अस्पताल मरीजों को जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ सेवा देने के लिए बाध्य है और मरीजों के समय पर और सम्मानजनक इलाज के अधिकार से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यह निरीक्षण सीएम जन सुनवाई कार्यक्रम में मिली शिकायत के बाद किया

डिजिटल इंडिया ने कहा1, टीईएलयूएस डिजिटल इंडिया में समावेशन केवल एक मूल्य नहीं, बल्कि साझा जिम्मेदारी है। हमारा विश्वास है कि हर व्यक्ति को अपने असली स्वरूप के साथ काम करने का अधिकार होना चाहिए, जहाँ उन्हें सम्मान मिले, सहयोग मिले और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर दिए जाएँ। प्राइड मंथ हमें यह महत्वपूर्ण याद दिलाता है कि अपनत्व की संस्कृति बनाने के लिए हम सभी को हर दिन समावेशन को आगे बढ़ाना होगा। कंपनी के प्रयासों के साथ काम में योगदान कर सके, नवाचार, सहयोग और उच्च प्रदर्शन वाली टीमों के निर्माण के लिए आवश्यक है। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, इफितकार अहमद, सीनियर डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, टीईएलयूएस

इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सेवागढ़ से दिल्ली तक देश के कोने-कोने में बसे बंजारा समाज को एक ध्वज, एक पहचान, और संकल्प के सूत्र में बांधना है। उद्घाटन समारोह के दौरान समाज नेताओं ने बंजारा समुदाय के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक धरोहर और वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक अधिकारों पर

गुरुग्राम: ट्रांसपोर्ट कारोबारी पर लाखों के फर्जी डेबिट नोट से धोखाधड़ी का आरोप

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। मानेसर में ट्रांसपोर्ट का काम करने वाले कारोबारी पर एक व्यक्ति से 9.86 लाख रुपये का फर्जी डेबिट नोट देकर धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि सेक्टर-7 आईटीएमटी मानेसर थाना पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता दर्शन सिंह निवासी पाथेड़ा, जिला महेंद्रगढ़ ने पुलिस उपायुक्त मानेसर को दी शिकायत में बताया कि उसकी प्रवीण निवासी सेक्टर-1 आईटीएमटी मानेसर से 6-7 साल से जान-पहचान थी। प्रवीण श्री श्याम ट्रांसपोर्ट सर्विस के नाम से मानेसर में ट्रांसपोर्ट का काम करता है। दर्शन सिंह ने अक्टूबर 2024 से



अगस्त 2025 तक अपने रिश्तेदार की चार्ज पिकअप गाड़ियां कुल बिल का पांच प्रतिशत कमीशन पर प्रवीण के पास चलवाई थीं। पीड़ित ने बताया कि अक्टूबर 2024 को पहली गाड़ी एनआईटी एक्सप्रेस, जेप्टो, फर्स्ट सिटी कंपनी में लगाई। बाद में प्रवीण के कहने पर 14 अक्टूबर 2024 को तीन

और गाड़ियां निकलवाईं। 27 जनवरी 2025 को एक गाड़ी फरखनगर से दो पॉइंट का माल लोड कर गाजियाबाद गई थी। ड्राइवर एक पॉइंट पर माल खाली कर साथी से मिलकर गाड़ी लेकर भाग गया। इस पर थाना कवि नगर गाजियाबाद में छह फरवरी 2025 को एफआईआर दर्ज कराई गई। एक

फरवरी 2025 को गाड़ी उत्तर प्रदेश के करेली से खाली हालत में बरामद हुई। चोरी की घटना के बाद 15 फरवरी 2025 से तीनों गाड़ियां प्रवीण को किस्त व अन्य खर्च की शर्त पर दे दीं। दर्शन सिंह ने आरोप लगाया कि अक्टूबर 2024 से 15 फरवरी 2025 तक का हिसाब और लीगल एग्सीमेंट के लिए कई बार कहा, लेकिन प्रवीण बहाने बनाकर टालता रहा। 16 जुलाई 2025 को प्रवीण ने व्हाट्सएप पर मैसेज कर गाड़ियां वापस ले जाने को कहा। दर्शन ने बकाया किस्त और हिसाब करने पर गाड़ी लेने की बात कही। 31 जुलाई 2025 को प्रवीण ने जबनर एक गाड़ी भिजवा दी, जिसमें स्टेपनी, जैक और आरसी नहीं थी। किस्त भरने का आश्वासन देकर गाड़ी खड़ी कर ली गई। दो दिन तक किस्त न

भरने पर दर्शन ने 2/3 अगस्त 2025 की रात को गाड़ी के ड्राइवर से लेकर वापस ले ली। बार-बार कहने पर 14 फरवरी 2026 को प्रवीण ने हिसाब किया और ऊर्जा कंपनी का 9,86,192 रुपये का डेबिट नोट दिया। दर्शन ने जब ऊर्जा के गुरुग्राम और पुणे ऑफिस से जांच कराई तो पता चला कि यह डेबिट नोट फर्जी है। कंपनी ने बताया कि वह इस तरह का कोई डेबिट नोट जारी नहीं करती और यह वित्तीय वर्ष 2024-25 का है। शिकायत में दर्शन ने कहा कि प्रवीण पहले भी कई लोगों से जालसाजी कर चुका है। पुलिस उपायुक्त कार्यालय से जांच के आदेश के बाद 25 जून 2026 को थाना सेक्टर-7 मानेसर में केस दर्ज किया गया। जांच अधिकारी ग्रीन बेल्ट और सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने का

फरीदाबाद नगर निगम ने सेक्टर-16 की मार्केट में तोड़फोड़

● ग्रीन बेल्ट से हटाए अवैध कब्जे, कमिश्नर बोले- पहले नोटिस दिया गया था

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में नगर निगम ने शहर में ग्रीन बेल्ट पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को सेक्टर-16 मार्केट में अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान दुकानों के बाहर बनाए गए अवैध रैंप, पक्के निर्माण और अन्य कब्जों को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान नगर निगम के अधिकारी, पुलिस बल और निगम के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। निगम अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान किसी भी तरह की बाधा न आए, इसके लिए पहले से पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। नगर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि ग्रीन बेल्ट और सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने का



अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित दुकानदारों और कब्जाधारियों को पहले ही नोटिस जारी कर निर्धारित समय के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे लेकिन कब्जे नहीं हटाए गए। इसके बाद निगम को कार्रवाई करनी पड़ी। कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि शहर की ग्रीन बेल्ट और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखना निगम की प्राथमिकता है। भविष्य में भी जहां-जहां अवैध कब्जे पाए

जाएंगे, वहां बिना किसी भेदभाव के इसी तरह कार्रवाई की जाएगी। दुकानदार बोले- गलत तरीके से की कार्रवाई दुकानदार संदीप गोयल ने कहा कि नगर निगम के द्वारा पूरी तरह से गलत कार्रवाई की जा रही है। मार्किट में छोटे दुकानदारों को परेशान करने का काम किया जा रहा है। इन जगहों पर गरीब लोग अपनी दुकानें लगाकर गुजारा कर रहे थे। लेकिन अब ग्रीन बेल्ट के नाम पर कार्रवाई की जा रही है।

फरीदाबाद में युवती ने नहर में छलांग लगाई

● शादी नहीं करना चाहती थी, एसआरफ़ी टीम चला रही सर्व ऑपरेशन

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के पल्ला थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात करीब 18 वर्षीय एक युवती द्वारा आगरा नहर में छलांग लगाने का मामला सामने आया है।युवकी 12वीं क्लास पास करने के बाद करीब डेढ़ साल से घर पर ही रह रही थी। घर पर रहकर वह कपड़े कढ़ाई का काम कर रही थी। पिता के मुताबिक संध्या (नहर में कूदने वाली युवती) का कुछ समय पहले उसका रिश्ता तय किया गया था। लेकिन उसका शादी से मना कर दिया था। परिजनों का मानना है कि शायद वह शादी को लेकर दबाव में थी। शाम को दादी को खाना देने के बाद वह अचानक से घर से भागकर आई और नहर में कूद गई। सूचना मिलते ही पल्ला थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। हालांकि, रात होने के कारण युवती का



पता नहीं चल सका। अब एसडीआरएफ (SDRF) की टीम की मदद से नहर में तलाश अभियान चला रही है। आगरा नहर के पास मौजूद प्रत्यक्षदर्शी सौरभ ने बताया कि युवती पैदल चलकर नहर तक पहुंची थी। वह कुछ देर तक नहर के किनारे खड़ी रही और फिर अचानक पानी में छलांग लगा दी। घटना रात के समय हुई, इसलिए मौके पर लोगों की संख्या कम थी और किसी को उसे बचाने का मौका नहीं मिल सका। SDRF रही थी सर्व ऑपरेशन पल्ला थाना प्रभारी सत्या प्रकाश ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने एसडीआरफ की टीम क सूचना देकर बुला लिया है।

स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेने पर छात्रों को मिलेगा प्रमाण पत्र

गुरुग्राम। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों में स्वच्छता की आदत विकसित करने और उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाने के लिए शिक्षा निदेशालय नई पहरल शुरू करने जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी सरकारी स्कूलों में नियमित रूप से स्वच्छता पीरियड आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान में 30 दिन तक भागीदारी करने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। निदेशालय के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक छात्र को सप्ताह के एक दिन स्वच्छता गतिविधियों में हिस्सा लेना होगा। इस दौरान केवल स्कूल परिसर की सफाई-सफाई ही नहीं कराई जाएगी, बल्कि विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने के महत्व के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। विभाग का मानना है कि इससे छात्रों में स्वच्छता को लेकर व्यावहारिक बदलाव आएगा और वे अपने घर व आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में भूमिका निभाएंगे।

फरीदाबाद में गर्भवती महिला की हत्या का मामला

● न आरोपी पति चरित्र पर थक करटा

था, कमरे में बंद कर ताला लगाकार

नौकरी करने जाता था

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में पल्ला थाना क्षेत्र में छह माह की गर्भवती महिला की हत्या के मामले में पुलिस जांच में चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी पति अपनी पत्नी के चरित्र पर सदिह करता था। परिजनों का आरोप है कि वह कई बार पत्नी को घर के अंदर बंद कर बाहर से ताला लगाकर नौकरी पर चला जाता था और लौटने के बाद ही दरवाजा खोलता था। घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। बिहार के मुजफ्फरपुर की रहने वाली पुलिस के मुताबिक 23 वर्षीय एक फरार महिला को पकड़ने के लिए मुजफ्फरपुर की रहने वाली थी, अपराध शाखा और फोरेंसिक जबकि उसका पति अमित गुप्ता उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का निवासी है। दोनों का विवाह 30 अप्रैल 2025 को हुआ था। हाल

गुरुग्राम: पार्ट टाइम जॉब के नाम पर लाखों की साइबर ठगी

गुरुग्राम। टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का झॉसा देकर एक युवक से दो लाख सात हजार 365 रुपये की ठगी कर ली गई। जांच अधिकारी एएसआई जितेंद्र ने शुक्रवार को बताया कि बताया कि थाना साइबर मानेसर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता शोएब सेफी निवासी हापुड़, उत्तर प्रदेश, हाल किरायेदार गांव बांस मानेसर ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-6 मानेसर में एक कंपनी में नौकरी करता है। तीन जून 2026 को उसके व्हाट्सएप नंबर पर 8770119159 से मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने खुद को एक कंपनी की एचआर टीम का बताकर ऑनलाइन पार्ट टाइम/फुल टाइम काम का ऑफर दिया और डेली पेमेंट का झॉसा दिया। इसके बाद टेलीग्राम पर माया अग्रवाल के नाम की आईडी से टास्क दिए गए। एक लिंक भेजा गया, जिसे ओपन करने पर मोहित वर्मा से बात हुई और उसे सीनियर टास्क नाम के टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया गया। टास्क पूरा करने के बाद शोएब से अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी पर पैसे ट्रांसफर करवाए गए। शोएब ने बताया कि तीन जून को सात ट्रांजेक्शन में कुल 2,07,365 रुपये ट्रांसफर किए। इसके बाद भी और टास्क देकर पैसे मागे गए। शक होने पर उसने पैसे देने से मना कर दिया और रकम वापस मांगी, लेकिन ठगों ने पैसे नहीं लौटाए और और पैसे की मांग करते रहे। पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। पांच जून को थाना साइबर मानेसर में शिकायत दी गई।

कब्जा हटाने-शिफ्टिंग के लिए 30 जून तक का समय, अवैध पीजी किए जाएंगे सील

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के पांश इलाकों में अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) विभाग ने एक बार फिर बड़े एक्शन की तैयारी कर ली है। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि 30 जून की समय सीमा समाप्त होते ही शहर के वीआईपी और पांश इलाकों में तोड़फोड़ और सीलिंग ड्राइव शुरू किया जाएगा। गुरुवर की रीजिडेंट्स के प्रदर्शन और रोष मार्च निकाले जाने के बाद डीटीपी विभाग के अधिकारियों की प्रतिक्रिया सामने आई है। अधिकारियों ने डीएलएफ फेस एक से 5 तक तमाम रेजिडेंट्स और किराएदारों को इस कार्रवाई के बारे में पोस्टर बांट जनकारी दे दी है। इस अभियान के तहत सबसे बड़ा एक्शन स्टिल्ट पार्किंग के अवैध निर्माण और अवैध पीजी पर

फरीदाबाद में हाईवे पर ऑटो ड्राइवर का खतरनाक स्टंट

● पुलिस ने साढ़े 15 हजार का चालान काटा, द्यूज के लिए बनाता था वीडियो



फरीदाबाद। में नेशनल हाइवे की सर्विस रोड पर ऑटो से खतरनाक स्टंट करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और ऑटो का 15,500 रुपए का चालान काट दिया। साथ ही स्टंट करने वाले युवक से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई गई। वायरल वीडियो में एक युवक नेशनल हाइवे की सर्विस रोड पर ऑटो को बार-बार घुमाकर खतरनाक स्टंट करता दिखाई दे रहा है। स्टंटबाजी के दौरान सड़क से गुजर रहा एक साइकिल सवार ऑटो को चपेट में आने से बाल-बाल बच गया। यह पूरी घटना रात के समय की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, युवक ने खुद स्टंट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने बिना देरी किए मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू कर दी। जांच में

स्कूलों में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान
गुरुग्राम। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान के तहत शुक्रवार को जिले के सरकारी विद्यालयों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में शिक्षकों और अभिभावकों को मतदाता सूची के सत्यापन, गणना प्रपत्र भरने और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के कार्य में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सोनू भट्ट ने बताया कि जिले में 14 जुलाई तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नौरंगपुर और राजकीय माध्यमिक विद्यालय, वजीरपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को अभियान की प्रक्रिया, उद्देश्य और महत्व की जानकारी दी गई। एडीसी ने कहा कि मतदाता सूची का सही होना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है। इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान नए पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम, पता, आयु, फोटो एवं अन्य विवरणों में संशोधन तथा स्थानांतरण से जुड़े कार्य भी किए जा रहे हैं।

टेबल टेनिस राज्य रैंकिंग प्रतियोगिता के पांचवा दिन जिले के लिए रहा मिलाजुला

-कई खिलाड़ी जीतक अगले दौर में पहुंच, कुछ हार कर प्रतियोगिता से हुए बाहर

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। प्रथम हरियाणा राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता के पांचवें दिन विभिन्न उम्र वर्गों के रोमांचक मुकाबले खेले गए रहे। विवान अग्रवाल, रिशात तलवार, हार्दिक गुप्ता, भाविक शर्मा, विहान, ध्रुव गुप्ता और रियांश गुप्ता समेत कुल 65 में गुरुग्राम के खिलाड़ियों ने रोहतक के रुद्र कौशिक को 11-5, 11-9, 11-7 से हराया। गुरुग्राम के लक्ष्म को हिसार के आहिल सिहाग ने 11-8, 8-11, 11-3, 11-3 से मात दी। गुरुग्राम के रिशात तलवार ने फरीदाबाद के देवांश डागर को 11-2, 11-6, 11-5 से

पराजित किया। गुरुग्राम के हार्दिक गुप्ता को रेवाड़ी के जिवांश चौधरी ने 11-8, 11-3, 11-6 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गुरुग्राम के भाविक शर्मा ने हिसार के दक्ष को 11-7, 11-9, 8-11, 12-10 से शिकस्त दी, जबकि गुरुग्राम के विहान ने पलवल के पर्व गुप्ता 11-1, 11-2, 11-2 से हराया। गुरुग्राम के ध्रुव गुप्ता ने भिवानी के आर अर्जित को 11-4, 11-7, 11-6 से पराजित किया। गुरुग्राम के रियांश गुप्ता को फरीदाबाद के अंशुमन अधिकारी के विरुद्ध वॉकओवर प्राप्त हुआ। गुरुग्राम के मन्जित आर्या ने भिवानी के दक्ष गर्ग को 11-4, 7-11, 11-6, 11-7 से मात दी। गुरुग्राम के समर सरीम ने केथल के प्रतीक को 11-2, 11-2, 11-5 से हराया। गुरुग्राम के जस अरोड़ा ने फरीदाबाद के सात्विक को 11-2, 11-3, 11-5 से हराया। अन्य मुकाबलों में गुरुग्राम के प्रवीर सिंह ने फरीदाबाद के प्रद्युम्न पांडा को 11-8, 12-10, 11-5 से हराया।

गुरुग्राम के कबीर गिरधर को सोनीपत के रुद्रंश मलिक ने 11-3, 11-2, 10-12, 11-8 से मात दी। गुरुग्राम के यथार्थ गुलानी ने गुरुग्राम के अविल छबड़ा को 11-2, 11-8, 11-5 से हराया। गुरुग्राम के विहान तलवार ने फरीदाबाद के जयान सहगल 11-9, 7-11, 11-8, 6-11, 11-9 से हराया। वहीं गुरुग्राम के विहान सेठी ने हिसार के द्विज को 11-9, 11-9, 11-5 से हराकर राउंड ऑफ-32 में प्रवेश किया।वहीं, अंडर-15 बालक एकल के राउंड ऑफ-64 के मुकाबलों गुरुग्राम के आर्य ने फरीदाबाद के नीवान को 11-4, 9-11, 11-5, 11-3 से हराया। गुरुग्राम के अर्नव वर्मा ने पंचकुला के गुनेस्क सिंह को 11-5, 12-10, 11-7 से हराया।गुरुग्राम के रिहान सिंह ने पलवल के विवान भाटिया को 11-9, 11-5, 11-6 से हराया। गुरुग्राम के कबीर ने फरीदाबाद के अंशुमन अधिकारी को 4-11, 11-5, 12-10, 8-11, 11-6 से हराया।

भारी परेशानी होती है। पीजी और गेस्ट हाउस होंगे सील पांश रिहायशी इलाकों में अवैध रूप से चल रहे पेग गेस्ट और गेस्ट हाउस पर भी विभाग का चाबुक चलने वाला है। बिना अनुमति, बिना फायर एनओसी और आवासीय नियमों का उल्लंघन कर चलाए जा रहे इन पीजी और गेस्ट हाउसों को चिह्नित कर लिया गया है।समय सीमा खत्म होते ही इन सभी इमारतों को सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। कॉर्पोरेट किराएदारों को 30 जून तक की मोहलत रिहायशी इलाकों में चल रहे कॉर्पोरेट कार्यालयों और वहां रह रहे किराएदारों को विभाग की तरफ से बड़ी राहत देते हुए 30 जून तक का समय दिया गया है। विभाग ने उन्हें अपनी शिफ्टिंग पूरी करने की अंतिम चेतावनी दी है। यदि 30 जून तक कॉर्पोरेट किराएदार रिहायशी परिसरों को खाली नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ भी सीलिंग और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।महापंचायत कर चुके रेजिडेंट्स गुरुवार को डीएलएफ फेज-3 के यू-ब्लॉक मेट्रो पार्क में एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया।

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के बसई एनक्लेव पार्ट-2 में कूड़ा फेंकने को लेकर 2 पड़ोसी परिवारों के बीच झड़प हो गई। झगड़े में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। जिसके इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। सरेंआम सड़क पर हाईवे लाटी-डंडों और लात-चूंसों की यह पूरी वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद की शुरुआत घर के बाहर कूड़ा फेंकने को लेकर हुई थी। एक पक्ष द्वारा दूसरे

गुरुग्राम में डॉक्टर और उसके दोस्त पर लाठी-डंडों से हमला

युवकों ने गाड़ी के शीशे तोड़े, कैश मी ले गए, रेवाड़ी से प्लॉट देखने आए थे

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के भोड़ाकुला इलाके में एक डॉक्टर और उनके मित्र पर कार सवार युवकों द्वारा लाठी-डंडों से हमला करने का मामना सामने आया है। आरोपियों ने उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए और गाड़ी से 23 हजार रुपए निकाल कर ले गए। पीड़ित डॉक्टर और उसके साथी

ने पुलिस को सूचना दी और राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचे। पीड़ित डॉक्टर की शिकायत पर बिलासपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस

को दी शिकायत में पीड़ित नरेश कुमार ने बताया कि वह रेवाड़ी के रहने वाले हैं और 24 जून 2026 को अपने मित्र

को भी भेज दी है। पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों के बैंक खातों को फ्रीज करवा दिया है, ताकि रुपयों के लेनदेन की कड़ियों को पूरी तरह से खंगाला जा सके। एसीपी (क्राइम) नवीन शर्मा ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इस फंजीवाड़े की साजिश के पीछे पंजाब पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम सामने आए हैं। इन अधिकारियों की भूमिका और उनकी आरोपियों से हुई बातचीत के तकनीकी साक्ष्यों की गहनता से जांच की जा रही है। पुलिस यह

● **NIA में जाँब करता है अकित, दोनों के बैंक खाते फ्रीज, पंजाब के अधिकारी रडार पर**

प्रातः किरण संवाददाता

पंजाब। के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित विवादित वीडियो को क्लीन चिट देने के लिए तैयार की गई फर्जी फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने एक और बड़ा खुलासा किया है। गुरुग्राम पुलिस की जांच में सामने आया है कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी किसी भी मान्यता प्राप्त या सरकारी फॉरेंसिक लैब से नहीं जुड़े थे। वे महज सरकारी कार्यालयों में आउटसोर्सिंग या कंटेक्ट (अनुबंध) बेस पर काम कर रहे थे। आरोपी अरुण पंचंकूला में परिवार पहचान पत्र (पीपीटी) ऑफिस में काम करता है। वहीं, दूसरा आरोपी अंकित दिल्ली में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) में कंटेक्ट बेस पर जाँब करता है। आरोपियों ने कबूला है कि उनका किसी भी तकनीकी या साइबर फॉरेंसिक लैब से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने पैसों के लालच में आकर इस फर्जी रिपोर्ट को तैयार करने की साजिश रची थी। चूंकि, एक आरोपी देश की प्रतिष्ठित जांच एजेंसी एनआईए (NIA) से अनुबंध पर जुड़ा हुआ था, इसलिए गुरुग्राम पुलिस ने इस पूरे मामले की आधिकारिक सूचना एनआईए के आला अधिकारियों

सतपाल के साथ गांव भोड़ाकुला में प्लॉट देखने आए थे। वे अपनी हुंडई क्रेटा कार से चक्करों की दागी से भोड़ाकुला की ओर जा रहे थे। प्लॉट देखने आए थे कार सवार युवक नरेश कुमार ने बताया कि रास्ते में एक युवक ने हाथ दिखाकर गाड़ी रोकने का इशारा किया। उसने अपना नाम काली उर्फ कुलदीप बताया और पूछा कि वे बताई क्या करने आए हैं। नरेश कुमार ने बताया कि वे डॉक्टर हैं और प्लॉट देखने आए हैं। इसके बाद कुलदीप ने तुरंत अपने फोन से किसी साथी को फोन कर कहा कि नशा युक्ति केंद्र वाले उठाने आए हैं। दोनों ने 5 मिन पर ज्यादा

ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ गए। तभी अचानक एक काली स्विफ्ट कार ने उनका रास्ता रोक लिया। मारपीट के बाद रूप भी ले गए नरेश कुमार ने बताया कि स्विफ्ट से चार-पांच युवक उतरे और बिना किसी बात के लाडियों-डंडों से उन पर हमला कर दिया। नरेश कुमार और सतपाल गाड़ी से बाहर निकले तो उन्हें बुरी तरह पीटा। पीछे से काली उर्फ कुलदीप भी आया और उसने क्रेंटा कार का दरवाजा खोलकर अंदर रखे 23 हजार रुपए निकाल लिए। हमलावरों में से एक व्यक्ति दूसरे को ललित नाम लेकर पुकार रहा था।

ने क्राउन प्लाजा होटल से सीसीटीवी फुटेज और होटल के एंटी रजिस्टर का रिकॉर्ड जन्म कर लिया है। इस फुटेज में पंजाब पुलिस के दो बेहद सीनियर अधिकारी लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा और एसपी जसदीप गिल नाम मिले हैं। इन पर आरोप है कि इन्होंने आरोपियों के साथ सीक्रेट मीटिंग इसी होटल में की थी। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने मुख्यमंत्री को क्लीन चिट देने के लिए जिन लैब्स के नाम से रिपोर्ट तैयार की थी उनका कोई ऑफिस है ही नहीं। सफर सेंटिनेल लैब और साइबरियन लैब्स पूरी तरह से फजी हैं। धरातल पर ऐसी किसी भी साइबर या फॉरेंसिक लैब का कोई अस्तित्व ही नहीं है और न ही इससे एक रिफर है। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें जबरन बंधक बनाया, डराया-धमकाया और एक खास तरह की मनमाफिक रिपोर्ट तैयार करने के लिए मजबूर किया। जसप्रीत सिंह के अनुसार, उन्हें यह बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि इस फर्जी रिपोर्ट का इस्तेमाल सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त साहिब को चुनौती देने और गुमराह करने के लिए किया जाएगा।

पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया के दौरान अर्न्थर्थी अपने पसंद के संस्थान और ट्रेड का चयन करने के साथ-साथ उपलब्ध सीटों की जानकारी भी देख सकते हैं। संस्थान के अनुसार अब तक इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट कोपा और फिटर ट्रेड में विद्यार्थियों ने सबसे अधिक रुचि दिखाई है।



-प्रचार के लिए बनाई गई 9 कमीटियां, 30 जून तक कर सकते हैं आवेदन

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सोहना स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ा दी है। इसी के तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सोहना ने अर्न्थर्थियों की सुविधा के लिए शनिवार और सोमवार को भी आवेदन संबंधी सहायता केंद्र खुला रखने का निर्णय लिया है, ताकि किसी भी विद्यार्थी को आवेदन करने में परेशानी न हो। संस्थान की प्राचार्य सोनिया ने बताया कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक दाखिले की जानकारी पहुंचाने

क्या प्रतिभा का सही आकलन कर पाती हैं नीट जैसी परीक्षाएं ?

डॉ. अरुण मित्रा

मौजूदा परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों की वास्तविक प्रतिभा का सही आकलन नहीं कर सकती। ऐसे मंस यह प्रश्न उठता है कि विद्यार्थियों के मूल्यांकन की अधिक न्यायसंगत व्यवस्था क्या हो सकती है? पहले पेशेवर महाविद्यालयों में प्रवेश मुख्यतः बारहवीं कक्षा के अंकों के आधार पर होता था। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अंकों पर भी सिफारिशों और अन्य दबावों का प्रभाव पड़ता है। लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में लगी आग में कई विद्यार्थियों की दुखद मृत्यु हो गई और कई घायल हो गए। नीट पेपर लोक के बाद भी देश के कई हिस्सों से लगातार विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की खबरें सामने आई हैं। देश के बड़े कोचिंग सेंटर कोटा से भी वर्ष दर वर्ष विद्यार्थियों की आत्महत्याओं की घटनाएं हो रही हैं। ये अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटनाएं हैं, जिन पर समाज और सरकारों- दोनों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। इसके साथ ही पिछले कई वर्षों में हम यह भी देख रहे हैं कि विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लोक हो जाते हैं। ऐसे पेपर लोक अक्सर धनबल और मिलीभगत के जरिए संभव होते हैं। जब भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, विद्यार्थियों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे उनके भीतर अनिश्चितता और तनाव बढ़ जाता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पिछले दस वर्षों में लगभग 90 परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लोक हो चुके हैं। विद्यार्थी कड़ी मेहनत करते हैं और उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश पाने की उम्मीद से परीक्षाओं में बैठते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में परिवार भी बराबर का भागीदार होता है, क्योंकि माता-पिता भी चाहते हैं कि उनके बच्चे बेहतर उच्च शिक्षा प्राप्त करें। अनेक विद्यार्थी एक ही परीक्षा तीन-चार बार तक देते हैं, इस उम्मीद में कि किसी प्रयास में बेहतर अंक प्राप्त कर उनके मनचाहे संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा। जब प्रश्नपत्र लोक होते हैं तो विद्यार्थियों में गुस्सा, निराशा और असहायता की भावना पैदा होती है। यह समस्या कठिन नहीं है कि किसी विद्यार्थी के एक परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने की कोई गारंटी नहीं होती कि वह दोबारा परीक्षा में भी वैसा ही प्रदर्शन कर सकेगा। कम उम्र में कई विद्यार्थी इस मानसिक दबाव को सहन नहीं कर पाते और कुछ आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं, जिससे परिवार और समाज दोनों को गहरा आघात पहुंचता है। वर्तमान में कई स्कूलों में दसवीं कक्षा के बाद की पढ़ाई लगभग औपचारिकता बनकर रह गई है। विद्यार्थियों को कोचिंग संस्थानों में भेज दिया जाता है, जहां उन्हें केवल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। कई मामलों में स्कूल स्वयं विद्यार्थियों को कोचिंग में जाने के लिए प्रेरित करते हैं और अपनी शैक्षणिक जिम्मेदारियों से लगभग हाथ खींच लेते हैं। कुछ स्कूल तो विद्यार्थियों की उपस्थिति भी औपचारिक रूप से दर्ज कर देते हैं। स्कूली शिक्षा में शिक्षकों के साथ संवाद, चर्चा और विद्यार्थियों के बौद्धिक दायरे का विस्तार शामिल होता है, जो उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चर्च के विपरीत कोचिंग संस्थानों का मुख्य उद्देश्य प्रवेश परीक्षा के प्रश्न हल कराना और याद रखने की तकनीक सिखाना होता है। विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि जीवन का एकमात्र लक्ष्य किसी भी तरह प्रवेश प्राप्त करना है, जबकि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य अच्छे नागरिक, ज्ञानवान व्यक्ति, व्यापक दृष्टिकोण वाले विचारक और सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील इंसान तैयार करना है। कोचिंग संस्थानों पर भारी खर्च आता है, जिसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग वहन नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप उनके बच्चे प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह भी अक्सर सुनने में आता है कि कई कोचिंग संस्थान स्वयं ऐसे विद्यार्थियों का चयन करते हैं जिसे बेहतर परिणाम की उम्मीद होती है और फिर उन्हें विशेष सुविधा प्रदान करते हैं। इससे कम उम्र में ही भेदभाव की भावना विकसित होने लगती है। मौजूदा परीक्षा प्रणाली विद्यार्थियों की वास्तविक प्रतिभा का सही आकलन नहीं कर सकती। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि विद्यार्थियों के मूल्यांकन की अधिक न्यायसंगत व्यवस्था क्या हो सकती है? पहले पेशेवर महाविद्यालयों में प्रवेश मुख्यतः बारहवीं कक्षा के अंकों के आधार पर होता था। लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अंकों पर भी सिफारिशों और अन्य दबावों का प्रभाव पड़ता है। यहां तक कि प्रायोगिक परीक्षाएं भी ऐसे प्रभावों से पूरी तरह मुक्त नहीं हैं। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद से शिक्षा व्यवस्था में संपन्न वर्गों के हितों को अधिक महत्व दिए जाने और असमानताओं को बढ़ावा मिलने की आशाकाएं भी लगातार व्यक्त की जाती रही हैं।

पैसा देंगे गाड़ीवाले तो पैदल वालों को कौन पूछे ?

कार वालों और दूसरे वाहन वालों का नजरिया भी सड़क पर होने वाली इन मौत के आंकड़ों से झलकता है। सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस साहब ही नहीं आम लोगों को कारोचक समझने वालों की पूरी फौज है जिसका आचरण भी इन आंकड़ों के जरिए समझ आता है। सड़क सुरक्षा का खयाल रखना सरकार का काम है लेकिन हमारी जिम्मेदारी उससे खत्म नहीं होती। पैदल अगर हमारे मुहावरों और लोकोक्तियों तक में कमजोर और घंटिया जैसे अर्थों में आ गया है तब सुप्रीम कोर्ट द्वारा पैदल चलने को मौलिक अधिकार घोषित करना और आने-जाने की आजादी से जोड़ना काफी महत्व का है। अब इसका व्यावहारिक अर्थ क्या निकलता है और सरकार की नीतियों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है इस बारे में अभी कुछ भी कहना मुश्किल है? क्योंकि अदालत ने भले एक पांच साल के बच्चे को मोत के सवाल को यहां तक पहुंचाया है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों के मारे जाने के जो आंकड़े खुद सरकार के दस्तावेज बताते हैं उनके अनुसार ज्यादातर दुर्घटनाएं सड़क सुरक्षा संबंधी कार्रवे कानून के न लागू हो पाने के चलते हैं। और ये आंकड़े डराने हैं- पांच साल में 1.8 लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवा चुके हैं। आंकड़े 2019 से 2024 के बीच के हैं और 2024 में 36326 लोगों के मरने की बात सरकार ही स्वीकारती है। इसे थोड़ा और सरल करना चाहें तो प्रति 15 मिनट में किसी न किसी की जान जाने का अनुमान सामने आएगा। इसमें भी कथित राष्ट्रीय राजमार्ग पर मरने वाले सबसे ज्यादा हैं और देहात में कम। जरा और भी बारीकी में जाएंगे तो समझ आएगा कि सबसे ज्यादा सुरक्षित सफर विमान यात्रा है और सबसे असुरक्षित पैदल और उसके बाद साइकिल की सवारी यात्रा है। पूरी इंदियों के सचेत रहते और गियर-ब्रेक का संचालन सीधे दिमाग से होने के बावजूद हजारों लोगों का दिमाग सड़क पर करते समय काम नहीं कर पाता। तभी उनकी मौत आती है। आखिर खुद से कौन मारना चाहता होगा। वैसे आधुनिक सड़कों का लोकतंत्र भी अद्भुत है- इसमें बीच की जगह तो सबसे तेज और आरामदायक वाहनों के लिए द्वािजंरवड़ है। रिक्शा और टमटम का नंबर उससे किनारे और पैदल वालों का सबसे किनारे जहां पैर रखने का व्यवस्थित इंतजाम ही नहीं रहता। और जहां इंतजाम होता है बेकार और भूखे लोगों की जमात वहां दुकान लगाने पहुंच जाती है। अगर बुलडोजर चलता भी है तो फूटपाथ सफाई के नाम पर। आज पीपीपी माडल में जो सड़कें बन रही हैं, जिनका जोर उद्यारीकरण वाले दौर में और अटल जी की सरकार के समय से ज्यादा बढ़ा है, उनमें फुटपाथ नामक चीज है ही नहीं। फ्लाईओवर और डबल-ट्रिपल डेकर सड़कों पर तो पैदल ही क्यों साइकिल और मोटरसाइकिल की भी मनाही है। सरकारी आंकड़े ही बताते हैं कि पैदल चलने वालों की मौत के 30 फीसदी नेशनल हाईवे पर हुई दुर्घटनाओं में जान गंवा चुके हैं, चलने के चलते कम, सड़क पार करने के क्रम में अधिक। ये हाईवे भी कमाल की चीज हैं और इनके कार्यव्यापार पर अदालत और प्रबुद्ध समाज की नजर नहीं जाती। इसमें उन सभी वाहनो से सड़क पर चलने का मोटा भाड़ा वसूला जाता है जो खरीद के समय ही काफी मोटी रकम रोड टैक्स के रूप में चुका चुकी होती हैं। जगह-जगह स्थानीय ग्रामीण समाज से तो टोल के विरोध की खबर आती है लेकिन फराटें भरने वाले उच्च और मध्यवर्गीय कार वालों से कभी कोई शिकायत नहीं आती। यह उच्च वर्ग भ्रष्टांदलीकरण के दौर में ज्यादा तेजी से बढ़ा हुआ है लेकिन कुल आबादी का बहुत छोटा हिस्सा है। और इसकी मर्दानगी या न्यायप्रियता का अंदाजा तब लगा जा सकता है एक साथ लाखों गाड़ियों को प्रदूषण के नाम पर स्क्रेप कर दिया। इनमें वे गाड़ियां भी थीं जिनके रोड टैक्स अगले कई साल के लिए सरकार ने वसूल रखे थे। पर शायद ही कहीं से चू की आवाज आई या इन्हीं अदालतों ने सुगबुगाहट दिखाई।

विचार मंथन

बदलते मौसम का बढ़ता जोखिम

अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है। कहीं अचानक बादल फटने की घटनाएं होती हैं, कहीं तेज हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज केवल वैज्ञानिक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय चिंता का प्रश्न भी बन चुके हैं। वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि मौसम की पारंपरिक प्रकृति में परिवर्तन आ रहा है। पहले जहाँ वर्षा अपेक्षाकृत नियमित और संतुलित होती थी, वहीं अब लंबे समय तक सूखा रहने के बाद अचानक अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इसी प्रकार गरज-चमक वाले तूफानों और आकाशीय बिजली की घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने वायुमंडल की संरचना और व्यवहार को प्रभावित किया है। वातावरण में अधिक ऊर्जा और अधिक नमी उपलब्ध होने के कारण मौसमीय घटनाएँ अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं।



डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

भारत में मानसून केवल एक ऋतु नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, जल-संसाधनों और जनजीवन की धुरी है। सदियों से मानसून को जीवनदायी माना जाता रहा है क्योंकि इसकी वर्षा खेतों को हरियाली देती है, नदियों और जलशायों को भरती है, नदियों और जलशायों को भरती है, नदियों और जलशायों को भरती है, नदियों और जलशायों को भरती है। सदियों से मानसून को जीवनदायी माना जाता रहा है क्योंकि इसकी वर्षा खेतों को हरियाली देती है, नदियों और जलशायों को भरती है, नदियों और जलशायों को भरती है, नदियों और जलशायों को भरती है। अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है। कहीं अचानक बादल फटने की घटनाएँ होती हैं, कहीं तेज हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है। बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज केवल वैज्ञानिक अध्ययन

गिरने से होने वाली मौतों की संख्या कई अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक रहती है। विशेष चिंता का विषय यह है कि अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं। किसान, खेतिहर मजदूर, पशुपालक और निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक मौसम के इन खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। जब अचानक बादल धिरते हैं और गरज-चमक शुरू होती है, तब कई लोग खतरों की गंभीरता को नहीं समझ पाते और खुले स्थानों पर ही बने रहते हैं। परिणामस्वरूप आकाशीय बिजली की चपेट में आकर अनेक लोगों की जान चली जाती है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो आकाशीय बिजली का निर्माण वायुमंडल में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं का परिणाम है। जब धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है और उसके ऊपर की परतों में अपेक्षाकृत ठंडी हवा मौजूद रहती है, तब गर्म और नम हवा तेजी से ऊपर उठने लगती है। यह प्रक्रिया संवहन

कहलाती है। ऊपर उठती हुई हवा ठंडी होकर संचनित होती है और बादलों का निर्माण करती है। यदि वातावरण में पर्याप्त नमी और ऊर्जा मौजूद हो, तो ये बादल विशाल क्यूम्यूलोनिम्बस बादलों का रूप ले लेते हैं। इन्हीं बादलों में पानी की बूंदों, बर्फ के कणों और ओलों के बीच होने वाली टक्करों से विद्युत आवेश उत्पन्न होते हैं। जब आवेशों का असंतुलन अत्यधिक बढ़ जाता है, तब बिजली चमकती है और धरती तथा बादलों के बीच विद्युत निर्वहन होता है। मानसून के दौरान समुद्रों से आने वाली नम हवाएँ भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्सों में पहुँचती हैं। ये हवाएँ ऊर्जा की मात्रा में जलवाष्प लेकर आती हैं, जो बादलों के निर्माण और वर्षा के लिए आवश्यक होती है। लेकिन यही नमी जब अत्यधिक गर्म वातावरण में मिलती है, तो शक्तिशाली तूफानों का निर्माण भी कर सकती है। नमी और तापमान का यह संयोजन मौसमीय अस्थिरता को बढ़ाता है। यही कारण है कि मानसून के महीनों में गरज-

उपलब्धि है या चिंता का विषय फिक्स्ड डोज़ ड्रग कॉन्सिनेशन

विभिन्न औषधियों का संयुक्त उपयोग। अनेक रोग ऐसे होते हैं जिनके उपचार के लिए एक से अधिक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिक्स्ड डोज़ ड्रग कॉन्सिनेशन (एफडीसी) विकसित किए गए। एफडीसी ऐसी दवाएँ हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय घटकों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या इंजेक्शन किसी भी रूप में हो सकती है। वर्तमान समय में एफडीसी चिकित्सा जगत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्षय रोग, एचआईवी संक्रमण, हृदय रोग, अस्थमा और विभिन्न प्रकार के संक्रमणों के उपचार में इनका व्यापक उपयोग किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी कुछ परिस्थितियों में एफडीसी के उपयोग को उपयोगी मानता है। हालांकि इनके अनेक लाभ हैं, लेकिन इनके अनियंत्रित और अतार्किक प्रयोग ने गंभीर चिंताएँ भी उत्पन्न की हैं। विशेष रूप से भारत में एफडीसी के नियमन और गुणवत्ता को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। एफडीसी का मूल उद्देश्य उपचार को सरल बनाना है। जब किसी रोगी को दिन में कई बार अलग-अलग दवाएँ लेने की आवश्यकता होती है, तो वह कई बार खुराक भूल जाता है या दवाएँ नियमित रूप से नहीं लेता। इससे उपचार की सफलता प्रभावित होती है। यदि वही दवाएँ एक ही गोली में उपलब्ध हों तो रोगी के लिए उन्हें लेना आसान हो जाता है। यही कारण है कि एफडीसी को रोगी-अनुपालना



डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

एवास्थ्य किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण पूँजी है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने रोगों के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है और इस प्रगति का एक महत्वपूर्ण आयाम है विभिन्न औषधियों का संयुक्त उपयोग। अनेक रोग ऐसे होते हैं जिनके उपचार के लिए एक से अधिक दवाओं की आवश्यकता पड़ती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिक्स्ड डोज़ ड्रग कॉन्सिनेशन (एफडीसी) विकसित किए गए। एफडीसी ऐसी दवाएँ हैं जिनमें दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय घटकों को एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक ही दवा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या इंजेक्शन किसी भी रूप में हो सकती है। वर्तमान समय में एफडीसी चिकित्सा जगत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, क्षय रोग, एचआईवी संक्रमण

बढ़ाने वाला एक प्रभावी साधन माना जाता है। एफडीसी का सबसे बड़ा लाभ रोगी की सुविधा है। एक ही गोली में कई दवाएँ होने के कारण दवा लेने की प्रक्रिया सरल हो जाती है। विशेष रूप से वृद्ध रोगियों, बच्चों और लंबे समय तक उपचार लेने वाले व्यक्तियों के लिए यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। जब दवाओं की संख्या कम हो जाती है तो रोगी द्वारा उपचार छोड़ने की संभावना भी कम हो जाती है। यह लाभ क्षय रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों में अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जहाँ उपचार का अधूरा रह जाना गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकता है। वर्तमान समय में प्रतिजैविक दवाएँ एक साथ दी जाती हैं। इससे रोगी किसी एक दवा को छोड़ नहीं सकता और उपचार अधिक प्रभावी रहता है। आर्थिक दृष्टि से भी एफडीसी कई बार लाभकारी सिद्ध होती हैं। अलग-अलग दवाओं की तुलना में संयुक्त दवा के उत्पादन, पैकेजिंग,

परिवहन और वितरण की लागत कम हो सकती है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ भी घटता है। बड़े सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में एफडीसी के उपयोग से दवाओं के प्रबंधन और आपूर्ति व्यवस्था को भी सरल बनाया जा सकता है। एफडीसी स्वास्थ्य प्रशासन के लिए भी उपयोगी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में जब बड़ी संख्या में रोगियों को दवाएँ उपलब्ध करानी होती हैं, तब अलग-अलग दवाओं के स्थान पर एक संयुक्त दवा का विवरण अधिक सुविधाजनक होता है। इससे भंडारण की आवश्यकता कम होती है तथा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में आसानी होती है। इन लाभों के बावजूद एफडीसी से जुड़ी कई गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। सबसे महत्वपूर्ण समस्या खुराक में लचीलेपन का अभाव है। प्रत्येक रोगी की आवश्यकता अलग होती है। कई बार चिकित्सक किसी एक दवा



दवा से उपचार करने पर जीवाणुओं में प्रतिरोध विकसित हो सकता है। इसी प्रकार एचआईवी संक्रमण में भी बहु-दवा चिकित्सा मानक उपचार का हिस्सा है। ऐसे मामलों में एफडीसी उपचार को सरल और अधिक प्रभावी बनाती है।एफडीसी का एक और लाभ दवा प्रतिरोध को नियंत्रित करना है। वर्तमान समय में प्रतिजैविक प्रतिरोध एक बड़ा स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यदि रोगी आवश्यक दवाओं में से किसी एक को छोड़ देता है तो रोगाणुओं में प्रतिरोध विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।एफडीसी इस समस्या को कम करने में सहायता करती हैं क्योंकि सभी आवश्यक दवाएँ एक साथ दी जाती हैं। इससे रोगी किसी एक दवा को छोड़ नहीं सकता और उपचार अधिक प्रभावी रहता है। आर्थिक दृष्टि से भी एफडीसी कई बार लाभकारी सिद्ध होती हैं। अलग-अलग दवाओं की तुलना में संयुक्त दवा के उत्पादन, पैकेजिंग,

परिवहन और वितरण की लागत कम हो सकती है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ भी घटता है। बड़े सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में एफडीसी के उपयोग से दवाओं के प्रबंधन और आपूर्ति व्यवस्था को भी सरल बनाया जा सकता है। एफडीसी स्वास्थ्य प्रशासन के लिए भी उपयोगी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में जब बड़ी संख्या में रोगियों को दवाएँ उपलब्ध करानी होती हैं, तब अलग-अलग दवाओं के स्थान पर एक संयुक्त दवा का विवरण अधिक सुविधाजनक होता है। इससे भंडारण की आवश्यकता कम होती है तथा दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में आसानी होती है। इन लाभों के बावजूद एफडीसी से जुड़ी कई गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। सबसे महत्वपूर्ण समस्या खुराक में लचीलेपन का अभाव है। प्रत्येक रोगी की आवश्यकता अलग होती है। कई बार चिकित्सक किसी एक दवा

कौन है भारत का नागरिक

भारत का नागरिक कौन हो सकता है, क्या जिन लोगों के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और इन सबके साथ-साथ पासपोर्ट भी है, उन्हें भी भारत का नागरिक माना जावे या नहीं, यह एक गंभीर सवाल विदेश मंत्रालय के एक बयान के बाद उठ रहा है। दरअसल बुधवार को विदेश मंत्रालय ने 14वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अन्तरसर पर देश में पासपोर्ट सेवाओं के विस्तार और उपलब्धियों को जानकारी साझा की। इसी दौरान मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि पासपोर्ट अंतरराष्ट्रीय यात्रा को सुगम बनाने के लिए जारी किया जाने वाला सरकारी दस्तावेज है, लेकिन यह अपने आप में नागरिकता का ठोस प्रमाण नहीं है। इसके बाद सवाल उठने लगे कि आखिर मोदी सरकार अब कोई नयी खिचड़ी पका रही है। क्योंकि कुछ समय पहले एसआईआर पर जब

सुनवाई हो रही थी तो आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना गया। जबकि आधार बनवाना हो या पासपोर्ट, इन सबके लिए कई घर के पते से लेकर बिजली या टेलिफोन बिल और मेट्रिक के प्रमाणपत्र तक कई तरह के दस्तावेज मांगे जाते हैं, पुलिस जांच की प्रक्रिया होती है, ताकि संदिग्ध व्यक्ति के हाथ में ऐसे महत्वपूर्ण पहचान पत्र न चले जाएं। जब हर तरफ से जांच पूरी होती है, तभी आधार और पासपोर्ट जैसे दस्तावेज जारी होते हैं। लेकिन विदेश मंत्रालय के बयान के बाद सवाल पूछा जाने लगा है कि पैन कार्ड केवल आय से जुड़े कामों के लिए हैं, पासपोर्ट सफर के लिए, मतदाता कार्ड वोट डालने और आधार बैंक खाता खोलने आदि के लिए है, तो

फिर नागरिकता और किस तरह से साबित की जा सकती है। बता दें कि भारतीय नागरिकता कानून के अनुसार 26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच भारत में जन्म लेने वाला व्यक्ति जन्म से भारतीय नागरिक माना जाता है। इस दौरान माता-पिता की राष्ट्रीयता कोई मायने नहीं रखती थी। यानी माता-पिता विदेशी भी हों, तो भी बच्चा भारत में जन्म लेने पर भारतीय नागरिक होता था। लेकिन 1 जुलाई 1987 के बाद जन्मे व्यक्ति को नागरिकता तभी मिलेगी जब उसके माता-पिता में से कम से कम एक भारतीय नागरिक हो। 3 दिसंबर 2004 के बाद जन्मे व्यक्ति को तभी नागरिक माना जाएगा जब दोनों माता-पिता भारतीय हों या एक भारतीय नागरिक हो और दूसरा अवैध

प्रवासी न हो। अब विदेश मंत्रालय के एक अविचारित बयान के कारण अनावश्यक विवाद खड़ा हो गया है। पासपोर्ट एक्ट के तहत पासपोर्ट जारी किया जाता है, और नागरिकता एक्ट, 1955 के तहत नागरिकता तय होती है। पासपोर्ट कानून दस्तावेज की पुष्टि करता है; नागरिकता कानून नागरिक को कानूनी स्थिति को। इसमें कोई कानूनी विवाद अब तक खड़ा नहीं हुआ है। ध्यान दें कि पासपोर्ट पर द्द्वरिपब्लिक ऑफ इंडियाह्म लिखा होता है, यानी यह भारतीय गणराज्य का दस्तावेज है, इसे रखने वाले की पहचान इस पर लिखी होती है। विदेश यात्रा के लिए इसकी अनिवार्यता है, क्योंकि इसी पर दूसरे देश की सरकारें प्रवेश की अनुमति यानी वीजा चर्चा करती हैं, क्योंकि उन्हें यकीन है कि

जैसे दुर्लभ मामलों में, नागरिकता को ह्वानागरिकता अधिनियमह्म के प्रावधानों और सहायक सबूतों के जरिए साबित करना पड़ सकता है। इसीलिए कानून की नजर में पासपोर्ट को हर स्थिति में पक्का सबूत नहीं माना जाता। मगर फिर भी यह तो तय है कि भारत का पासपोर्ट भारतीय नागरिक को ही जारी हो सकता है, किसी और को नहीं, इसलिए इसका व्यावहारिक महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता। भारत 1947 में आजाद हुआ और 1950 में संविधान लागू हुआ तो इसे गणतंत्र का दर्जा मिला और उसके बाद नागरिकों के पंजीकरण का काम धीरे-धीरे अलग-अलग तरीकों से शुरू हुआ। ऐसे में इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि लाखों बुजुर्ग भारतीयों का जन्म तब हुआ था जब जन्म प्रमाणपत्र या जन्म के पंजीकरण जैसे काम नहीं होते थे।

संक्षिप्त खबरें

सविधान की रक्षा भाजपा ने की

विपक्ष फैलाता रहा भ्रम: दिनेश शर्मा
कानपुर। विपक्ष के नेता अब भगवान श्रीराम और राम मंदिर के प्रति अपना रुख बदलने लगे हैं तथा आने वाले समय में कई बड़े नेता भी रामलला के दर्शन करते नजर आएंगे। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र और संविधान की भावना को सबसे बड़ा आघात पहुंचाया था, जबकि भारतीय जनता पार्टी संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। साथ ही उन्होंने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत का दावा भी किया। यह बातें पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को कानपुर में संविधान हत्या दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहीं। डॉ. शर्मा ने कहा कि जो राजनीतिक दल और नेता पहले राम मंदिर जगने से बचते थे, अब वही अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि समय के साथ विपक्ष को अपनी राजनीति बदलनी पड़ी है और जनता के सामने उनकी पुरानी बातें भी हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी रामलला के दर्शन करते दिखाई देंगे। राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ये सभी नेता भी मंदिर में पूजा-अर्चना करते नजर आएंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उस दौर में संविधान की मूल भावना को कुचलने का काम किया गया, जिसे देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने विपक्ष पर तुष्टिकरण और समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता अब ऐसे राजनीतिक हथकंडों को समझ चुकी है। डॉ. शर्मा ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा पहले से अधिक सीटों के साथ जीत दर्ज करेगी।

रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आए व्यक्ति की मौत

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के नरायनपुर स्थित बंद रेलवे फाउंट के पास शुक्रवार सुबह रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान अदलहाट थाना क्षेत्र के सोनई गांव निवासी लक्ष्मण पटेल (60) पुत्र पनारू के रूप में हुई। बताया गया कि वह रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे, तभी ट्रेन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर जीआरपी बुनार पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण भी घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक का एकमात्र पुत्र रवि पटेल वैनई में रहकर पढ़ाई करता है। अदलहाट थाना प्रभारी निरीक्षक अजय सेठ ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आतंशक विधेिक कार्रवाई की जा रही है।

कर्बला के संदेश को अपने जीवन में अपनाकर भाईचारे की मिसाल
वाराणसी। वाराणसी में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मोहम्मद पर कहा कि हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) का संघर्ष, त्याग और सवीर्य बलिदान हमें यह संदेश देता है कि सत्य, न्याय और ईशान्वित्य की रक्षा केलिए हर अत्याचार के विरुद्ध डडकर खड़ा होना ही सबसे बड़ा धर्म है। मोहम्मद हमें उनके बताए हुए सत्य, सूरक्ष, धैर्य और मानविक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आइए, हम करबला के संदेश को अपने जीवन में अपनाकर प्रेम, न्याय और भाईचारे की मिसाल बनें। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मोहम्मद का वीरहाट शांति से मनाने और भाईचारा बनाए रखने की सभी से अपील की। अलम के जुलूस में किसी भी तरह का व्यवधान न आए,ऐसी कामना की है।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत में गमगीन हुआ अमरोहा

रिवायती अंदाज में निकला ताजियों का ऐतिहासिक जुलूस मजलिसों में शहादत का बर्यां सुन रो पड़े अक़ादितमद खाक-ए-शाफ़ा की तजवीह और हजरत अली अकबर के ताबूत की कराई गई ग़ियारत

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। यौमे-आशूरा (10 मुहर्रम) के ऐतिहासिक मौके पर पूरा अमरोहा शहर हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में पूरी तरह गमगीन रहा। हर औख नम नजर आई और अक़ादितमद ने बेबंद मजगदा माहिल में कलाम में इमाम हुसैन के महान बलिदान को याद किया। इस दौरान पूरे शहर की फिजाओं में मातमी सदाव और ह्यूया हुसैन्ह की गूंज सुनाई देती रही। शहर के इमाम बाड़ों में समर मुन्तवा, जाहिद अब्बास, अदनान हैदर, हुमायूँ हैदर,मुबारक अली, इब्रत नकवी, आभिर रजा, अली मेहदी, मुखादिरजा, वसीम हैदर, नईम हैदर, सरफराज हुसैन, फैजी अमरोहवा, अली जकी, वसीम अमरोहवा हुसैन ने नौहा खानो कर फिजा को गमगीन बना। अमरोहा के ऐतिहासिक और रिवायती अंदाज में ताजियों का मुख्य जुलूस पूरी अक़ादित के साथ निकला

लोनी के डॉ प्रमैद्र जांगड़ा बने 30प्र0 भाजपा संगठन के प्रदेश मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। भाजपा ने ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रेमेंद्र जांगड़ा को उत्तर प्रदेश संगठन में प्रदेश मंत्री बनाकर उनका मान बढ़ाया है। संगठन में सक्रिय कार्यकर्ता से प्रदेश मंत्री तक पहुंचने का उनका सफर भाजपा की कार्यकर्ता- आधारित राजनीति का उदाहरण है। गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश में नए संगठन के प्रदेश मंत्री डॉ प्रेमेंद्र जांगड़ा लंबे समय से पार्टी में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पार्टी ने उन्हें उत्तर प्रदेश की मैन बांडी में भेजने का निर्णय लेकर यह संदेश दिया है कि भाजपा में जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और संगठनात्मक



नेताओं को भी शीर्ष स्तर पर अवसर मिलता है।

पार्टी के लिए अब तक की सफल

जिम्मेदारियां प्रदेश भाजपा में वे लंबे समय से विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते रहे हैं। संगठन विस्तार, कार्यकर्ता समन्वय, चुनावी प्रबंधन और पार्टी कार्यक्रमों के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भाजपा के भीतर उनकी पहचान ऐसे नेता के रूप में है, जो कार्यकर्ताओं के बीच लगातार सक्रिय रहते हैं और संगठन को मजबूत बनाने में विश्वास रखते हैं। लोनी क्षेत्र में भाजपा की जड़ मजबूत करने वाले डॉ प्रमैद्र जांगड़ा के अबतक की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डालें तो वह कुछ इस प्रकार है:-

1. न्यू वर्तमान क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं सदस्यता प्रमुख भाजपा उत्तर प्रदेश।

भीषण गर्मी में राहगीरों की सेवाार्थ किया मीठे शरबत का वितरण



लोगों ने इस पुनीत कार्य

मानव सेवा और धार्मिक

आस्था का सुंदर उदाहरण

पंजीकृत कोचिंग सेंटरों की होगी जांच, सूची से गायब बड़े संस्थानों पर उठे सवाल

17 बिंदुओं पर निरीक्षण करेगा प्रशासन,

बिना पंजीकरण चल रहे कोचिंग सेंटरों पर

कार्रवाई को लेकर असमंजस

प्रात : किरण संवाददाता अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिले में कोचिंग संस्थानों की निगरानी के लिए प्रशासन ने तहसील स्तर पर गठित पांच सदस्यीय समितियों को पंजीकृत कोचिंग सेंटरों का 17 बिंदुओं पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। समितियां भवन की वैधता, सुरक्षा व्यवस्था, शिक्षकों की योग्यता, छात्रों की संख्या, अग्निशमन व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, पेयजल, शौचालय, पार्किंग और अन्य आवश्यक सुविधाओं का सत्यापन करेंगी। हालांकि, इस कार्रवाई के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल सामने आया है। उपलब्ध पंजीकरण सूची के अवलोकन में जिले के कुछ ऐसे प्रमुख कोचिंग संस्थानों के नाम नहीं मिले, जहां सर्वाधिक छात्र अध्ययन करते हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि यदि बड़े संस्थानों का नाम ही सूची में नहीं है तो निरीक्षण अभियान की जद में वे कैसे आएंगे। सूचों के अनुसार जिले में कई कोचिंग संस्थान पिछले 15 से 20 वर्षों से संचालित हैं। इनके बड़े-बड़े विज्ञापन और होर्डिंग शहर के प्रमुख स्थानों पर लगे हैं तथा हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र यहां प्रवेश लेते हैं। इसके बावजूद उपलब्ध पंजीकरण सूची में इनका नाम नहीं दिखाई देने से पंजीकरण व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय की ओर से गठित समितियां भवन स्वयं का है या किराये का, वैध किरायानामा, बेसमेंट में संचालन, शिक्षकों की

जांच के प्रमुख बिंदु
●भवन की वैधता एवं किरायानामा
●बेसमेंट में संचालन की स्थिति
●शिथकों की योग्यता एवं संख्या
●छात्रों की संख्या
●अग्निशमन एवं सुरक्षा व्यवस्था
●सीसीटीवी, फर्स्ट एड, पेयजल व शौचालय
●पार्किंग व्यवस्था
●शुल्क पंजिका
●स्कूल समय में कोचिंग संचालन

योग्यता, छात्रों की संख्या, अलग प्रवेश और निकास मार्ग, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, सीसीटीवी कैमरे, शौचालय, पेयजल, बिजली, पार्किंग, शुल्क पंजिका तथा स्कूल समय में कोचिंग संचालन सहित 17 बिंदुओं की जांच करेंगी। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि यदि जांच केवल पंजीकृत संस्थानों तक सीमित रहती है और बिना पंजीकरण संचालित कोचिंग सेंटरों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तो अभियान का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। उनका मानना है कि पहले जिले में संचालित सभी कोचिंग संस्थानों का सत्यापन कर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कौन से संस्थान विधिवत पंजीकृत हैं और कौन बिना पंजीकरण संचालित हो रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन जिला अभियान को केवल पंजीकृत संस्थानों तक सीमित रखता है या फिर पंजीकरण सूची से बाहर संचालित संस्थानों की भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करता है।

निर्जला एकादशी पर नोरेक्स फाउंडेशन ने श्रद्धालुओं को पिलाया निःशुल्क रूह अफजा शरबत

प्रात : किरण संवाददाता

धनौरा। पावन निर्जला एकादशी के अवसर पर नोरेक्स फाउंडेशन की ओर से विशाल रूह अफजा शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 1,000 से अधिक श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करते हुए निःशुल्क शीतल पेय वितरित किया गया। शुक्रवार को आयोजित यह जनसेवा कार्यक्रम नोरेक्स फेलर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध



निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एवं सीओ) श्री वैभव कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा, परोपकार एवं

मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना तथा समाज के प्रति कंपनी का सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की भावना को सशक्त करना रहा। इस अवसर पर कंपनी के उपाध्यक्ष श्री राकेश अग्रवाल, शशांक अग्रवाल, अजय कुमार गुप्ता, ललित कुमार, हरिओम शर्मा, डॉ. अनुराग नाथ खलित नोरेक्स परिवार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धालुओं को शरबत वितरित कर सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नोरेक्स फाउंडेशन की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सेवा और मानवता के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

आशूरा के इस मुकदस मौके पर सुबह से ही शहर की सभी मस्जिदों और इमामबारगहों में विशेष अमाल (धार्मिक अनुष्ठान) कराए गए रोजेदार और अक़ादितमंद सुबह से ही इबादत और दुआओं में मशगूल रहे। इस दौरान इमाम हुसैन की बारगाह में ह्दजियात-ए-आशूरा का विशेष पाठ किया गया। शहर की सभी छोटी-बड़ी इमामबारगहों में मजलिसों का आयोजन किया गया, जहाँ उलेमा ने कर्बला की शहादत का दर्दनाक मंजर बयां किया।शहादत का वाकया सुनकर मजलिस में मौजूद लोग चीख-चीख कर रोने लगे। दोपहर को गुस्सी की कदमी मजलिस में सैय्यद हसन इमाम नकवी ने पुरअसर अंदाज में मंसिशा पेश किया। इसके बाद कर्बला की मिट्टी (खाक की तस्बीह) की ज़ियारत कराई गई, जिसके बारे में मान्यता है कि वह शहादत के वक़्त खून से लाल हो जाती है। दरबार शाह विलायत की ऐतिहासिक मजलिस में अमरोहा की पारंपरिक गंगा-जमुनी तहजीब की अतुटी मिसाल देखने को मिली, जहाँ भुवन शर्मा ने इस वर्ष भी बारगाहे-हुसैन में बेबंद अक़ादित के साथ अपना हासलाम्हा पेश किया। इसके फौरन बाद हजरत इमाम हुसैन के जवान बेटे, ज़क़री अली अक़बर का ताबूत बरामद हुआ। ताबूत देखते ही मातमदरों में कोहराम मच गया और लोग जार-ओ-कतार रोने लगे।

- सदस्य राष्ट्रीय परिषद भाजपा।
- सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी।
- जिला प्रभारी गौतम बुध नगर भाजपा।
- क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा।
- जिला अध्यक्ष भाजपा गाजियाबाद।
- जिला उपाध्यक्ष भाजपा (दो बार)।
- जिला महामंत्री भाजपा।
- नगर अध्यक्ष भाजपा।
- नगर अध्यक्ष युवा मोर्चा।
- वाई अध्यक्ष भाजपा।
- और अवर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा से संगठन में हूंप्रदेश मंत्रीह्द का दायित्व।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में दसवीं मोहर्रम पर मजलिसों में शामिल हुए महबूब अली और परवेज अली

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। शुक्रवार को दसवीं मोहर्रम के अवसर पर सदर विधायक अमरोहा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री, लोक लेखा समिति उत्तर प्रदेश के सभापति महबूब अली तथा पूर्व सदस्य विधान परिषद परवेज अली ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित शोक सभाओं और मोहर्रम के कार्यक्रमों में शिरकत की। इस अवसर पर महबूब अली ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन और उनके परिवार ने सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए कर्बलामें अपनी जान कुर्बान कर दी। उनकी शहादत पूरी मानवता के लिए त्याग, धैर्य और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संदेश देती है।दसवीं मोहर्रम पर इसी गम में ताज़िए और अलम निकाले

आंगनबाड़ी और प्राथमिक विद्यालयों का होगा बेहतर समन्वय, मैपिंग अमियान को मिलेगी गति

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को नई मजबूती देने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का प्राथमिक विद्यालयों के साथ को-लोकेशन और वैज्ञानिक मैपिंग अभियान मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य विद्यालय पूर्व तैयारी (स्कूल रेडीनेस) को सुदृढ़ बनाना, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकृत लाभ सुनिश्चित होने से बुनियादी शिक्षा की आंगनबाड़ी से विद्यालय तक बच्चों के सहज संक्रमण को मजबूत करना है। इस संबंध में महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी तथा निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार हर्षिता माथुर ने संयुक्त निर्देश जारी किए हैं। अभियान

उनका व्यक्तिगत विवरण:
नाम: डॉक्टर प्रमैद्र जांगड़ा
पिता: स्व. श्री जय भगवान सिंह (उनका 19 जून को ही निधन हुआ है)

जन्म: 30 जुलाई 1972
स्थाई पता: ए-5, मैन मार्केट, पूर्वी जवाहर नगर, लोनी (गाजियाबाद)
2011 02
संपर्क सूत्र: 91-9891 6742 92
ई-मेल: rishreshlali@ic@.co.
धर्म जाति: हिंदू विश्वकर्मा वंशी
शिक्षण योग्यता: आयुर्वेदिक चिकित्सा
संघ शिक्षक: संघ शिक्षा वर्ग द्वितीय वर्ष (2009)
व्यवसाय: मेडिकल सेंटर एवं कृषि



गए तथा अक़ादितमंदों ने उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की। महबूब अली एवं परवेज अली ने अमरोहा नगर सहित कांकर सराय, मुड़ा इम्मा, दकिया चमन, पंडेई खलसा, ककराली, कमालपुर जैद, भवालपुर माफी, अशरफपुर फैजगंज, मुबारकपुर नूरी, नीलीखेड़ी, असगरीपुर, पलौला तथा अन्य गांवों में पहुंचकर मोहर्रम के कार्यक्रमों में भाग लिया और अक़ादितमंदों से मुलाकात कर उन्हें सात्वना एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

शाहूजी महाराज को सपा कार्यकर्ताओं ने किया नमन

राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रबल समर्थक थे: मस्तुराज

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय, लोहिया नगर मंडी समिति रोड पर शुक्रवार को भारतीय समाज सुधारक, प्रबुद्ध विचारक एवं कोल्हापुर रियासत के शासक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने कहा। जिलाध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने कहा कि राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने शिक्षा और सरकारी नौकरियों में वंचित वर्गों के लिए आरक्षण को व्यवस्था लागू कर सामाजिक परिवर्तन को मजबूत नींव रखी। उन्होंने जातिगत भेदभाव और असुरक्षता के खिलाफ संघर्ष किया तथा पिछड़े, दलित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए। उन्होंने विभिन्न समाजों के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास स्थापित किए और अंतरजातीय विवाह को वैधता प्रदान कर सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया। जिला उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता सन्तराम सिंह यादव ने कहा कि शाहूजी महाराज ने महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों को विशेष महत्व दिया। उन्होंने महिलाओं के लिए विद्यालय स्थापित किए तथा किसानों की

आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं :योगी

-106 विकास परियोजनाओं का किया

शिलान्यास और लोकार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को देवरिया के बरब में अयोध्या राम मंदिर चढ़ाया चोरी मामले में हुई गिरफ्तारियों पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेंगे। जनआस्था के साथ खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं है और किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। देवरिया में 456.38 कड़ रोपे की 106 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि दिल्ली से आए एक नेता को अयोध्या का विकास देखकर आत्ममथन करना चाहिए। यदि उन्होंने अपने कार्यकाल में दिल्ली के लिए भी इसी तरह काम किया होता तो राजधानी की तस्वीर अलग होती। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास मॉडल से सीख लेने की जरूरत है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने नौकरियों में बड़े पैमाने पर प्रश्नचार्ज होता था और पूरा परिवार भर्ती प्रक्रिया में हस्तक्षेप करता था। उन्होंने कहा कि आज पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के कारण देवरिया सहित पूरे प्रदेश के युवाओं को बिना भेदभाव के सरकारी नौकरियां मिल रही हैं। अगर डबल इंजन की सरकार नहीं होती तो कई योग्य युवाओं को नौकरी नहीं मिल पाती।



आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कृषि के आधुनिकीकरण और आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और किसानों की प्रगति ही देश के विकास का आधार हैं। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और पीढ़ीएं समाज के अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ा रहा है। मिशन-2027 को सफल बनाने के लिए संकल्पित है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शावेज खान, अतीक अहमद, राधेपाल खुशवीर, संजय सिंह यादव, रविपाल चिकार, नितिन कुमार, रजनीश यादव, विजय त्यागी, दीपक यादव, चौधरी विपिन कुमार, रवि यादव, कोशिनंद सिंह गुर्जर, जितेंद्र सिंह चौहान, मोहम्मद तालिब, महेश सेनी, विवेक यादव, अशोक कुमार, नवीन कुमार सिंह, के.पी. सिंह यादव, कोशिनंद पवार, डॉ. अनिमल अहमद, माहवीर सिंह, धीर सिंह, गौरव प्रकाश, साबिर अली, मोमिन शाह सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नहर किनारे खनन पर उठे सवाल, शिकायतों के बाद भी प्रशासन ने दी वलीन चिट

जेसीबी व डम्पयों से खनन होने के आरोप, नियमों के पालन को लेकर ग्रामीणों ने उठाए प्रश्न

प्रात : किरण संवाददाता अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद के आजमपुर उर्फ रतनगढ़ क्षेत्र में नहर किनारे हो रहे मिट्टी खनन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश के खनन नियमों की अनदेखी करते हुए नहर के निकट खनन कराया जा रहा है। शिकायतों के बावजूद खनन निरीक्षक, तहसील प्रशासन और पुलिस द्वारा संयुक्त निरीक्षण के बाद खनन कार्य को नियमों के अनुरूप बताया जाए वलीन चिट दे दी गई, जिससे ग्रामीणों में असंतोष है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जिस स्थान पर खनन

डीएलएफ, अंकुर बिहार का मामलालोगों ने किया नव जीवन पब्लिक स्कूल प्रबंधन की अवेधानिक निरंकुशता के विरोध का ऐलान

कहा-स्कूली बच्चों के जीवन से नहीं होने देगे खिलवाड़, छुड़ी सनापत होते ही प्रबंधन समिति एवं संबंधित अधिकारियों से अब कानूनी दायरे में होगी खुलकर आर-पार की लड़ाई

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। डीएलएफ अंकुर विहार के बी-ब्लॉक स्थित नव जीवन पब्लिक स्कूल में गैर कानूनी निर्माण कार्य की जानकारी के बावजूद जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों को ह्मंगाियों के तीन बंदर वाली स्थितीह्द को देखकर स्थानीय सभासद एवं अन्य संध्रांत नागरिकों के बीच उबाल है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद मामले में संबंधित अधिकारियों द्वारा चुप्पी साधकर बैठे रहना उनकी कार्यप्रणाली की संतिरक्ष बनाता है। गुस्साए लोगों का कहना है कि अब उनका धर्य जवाब दे चुका है, स्कूल खुलते ही अब इस मामले में आर-पार की लड़ाई होगी। गौरतलब हो कि विभिन्न

वेद विहार, रेल विहार कॉलोनी सहित आसपास क्षेत्रों के सैकड़ों बच्चे पढ़ाई करते हैं। यहां स्कूल प्रबंधन ने खेल के मैदान के लिए निर्धारित भूमि पर प्लांटिंग शुरू कर दी है, जबकि नियमों के तहत प्रत्येक स्कूल में खेल का मैदान अनिवार्य होता है। यही नहीं बल्कि खनन स्कूल प्रांगण में खड़े हरे-भरे पेड़ों को भी धन लालच के खूंटी पर टांगकर स्कूल परिसर में बहु भाँजला इमारत खड़ी कर दी गई है। आरोप है कि यह निर्माण गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) और नगरपालिका परिषद लोनी ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? वहीं, शिक्षा विभाग की भूमिका भी कटघरे में है कि उसने स्कूल की मान्यता देते समय बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा मानकों

की जांच क्यों नहीं की गई। और यदि की तो, अब उसमें बदलाव किस आधार पर किया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों की अनदेखी या मिलीभगत के चलते ही यह निर्माण संभव हो पाया है। हालांकि, अभीतक किसी भी विभाग की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्थानीय सभासद के अलावा अभिभावकों और क्षेत्रवासियों द्वारा कई बार मांग की जा चुकी कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मगर प्रशासन द्वारा इस गंभीर प्रकरण में, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इस गंभीर मामले में सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक लापरवाही पर उठ रहा है। यदि निर्माण अवैध है, तो गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और नगरपालिका परिषद लोनी ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? वहीं, शिक्षा विभाग की भूमिका भी कटघरे में है कि उसने स्कूल की मान्यता देते समय बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा मानकों

की जांच क्यों नहीं की गई। और यदि की तो, अब उसमें बदलाव किस आधार पर किया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों की अनदेखी या मिलीभगत के चलते ही यह निर्माण संभव हो पाया है। हालांकि, अभीतक किसी भी विभाग की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्थानीय सभासद के अलावा अभिभावकों और क्षेत्रवासियों द्वारा कई बार मांग की जा चुकी कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मगर प्रशासन द्वारा इस गंभीर प्रकरण में, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इस गंभीर मामले में सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक लापरवाही पर उठ रहा है। यदि निर्माण अवैध है, तो गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और नगरपालिका परिषद लोनी ने अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? वहीं, शिक्षा विभाग की भूमिका भी कटघरे में है कि उसने स्कूल की मान्यता देते समय बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा मानकों



संक्षिप्त खबरें

सड़क पर पड़े मलबे से

हादसे का बड़ा खतरा

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर ओमिकॉन-1ए में सड़क पर पड़े निर्माण कार्य के मलबे से वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से मलबा सड़क पर पड़ा है लेकिन अभी तक हटाया नहीं गया है। मलबे के कारण दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय मलबा साफ दिखाई नहीं देने से हादसे की आशंका और बढ़ जाती है। लोगों का कहना है कि सड़क संकरी होने के कारण वाहन चालकों को मलबे से बचते हुए निकलना पड़ता है। स्थानीय निवासी योगेंद्र कुमार ने बताया कि सड़क पर निर्माण कार्य का मलबा लंबे समय से पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क पर पड़े मलबे को हटाकर मार्ग को सुरक्षित बनाया जाए।

एक्सप्रेस ट्रेन में चैन पुलिंग के दो

आरोपी को खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दादरी। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर दादरी रेलवे स्टेशन के समीप अलग- अलग दो एक्सप्रेस ट्रेनों में चैन पुलिंग की गई। आरोपी को पकड़ लिया। जबकि गोमटी एक्सप्रेस ट्रेन में रेलवे स्टेशन याई के समीप चैन पुलिंग कर दी गई। चैन पुलिंग करने के मामले में ग्रेटर नोएडा के सूजपुर निवासी पीयूष कुमार मिश्रा को पकड़ लिया। चैन पुलिंग करने वाले आरोपियों के खिलाफ रेलवे अधिनियम एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

सेमीफाइनल में गोल हटर्ज

एफसी का सफर समाप्त

नोएडा। ऑल इंडिया फुटसल चैंपियनशिप 2025-26 के सेमीफाइनल में नोएडा की गोल हटर्ज एफसी को मिजोरम की ल्वांगनुआम एफसी के खिलाफ 10-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही टीम का खिताबी सफर समाप्त हो गया। क्वार्टर फाइनल में जीत दर्ज कर अंतिम बार में पहुंची गोल हटर्ज एफसी ने मुकाबले में आक्रमक शुरुआत की, लेकिन ल्वांगनुआम एफसी ने बेहतर तालमेल और सटीक फिनिशिंग के दम पर मैच पर पकड़ बनाए रखी। गोल हटर्ज एफसी ने चार गोल कर वापसी का प्रयास किया, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सकी। कप्तान अंश गुप्ता ने कहा कि टीम इस अलक्ष्य से सीख लेकर अगले सत्र में और मजबूत वापसी करेगी। कोच धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि हार के बावजूद टीम ने पूरे टूर्नामेंट में राष्ट्रीय स्तर पर नोएडा की पहचान मजबूत की है।

वीआईपी लिटिल चैम्पस की जीत

नोएडा। सेक्टर-127 स्थित ओपी स्पোর্ट्स क्रिकेट ग्राउंड पर जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप सीजन-8 में वीवीआईपी लिटिल चैम्पस ने नोएडा टाइटनर्स को 9 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नोएडा टाइटनर्स 30 ओवर में 119 रन पर रिमट गई। नुबारा बाथला ने 43 और हर्ष वर्मा ने नाबाद 35 रन बनाए। वीवीआईपी लिटिल चैम्पस की ओर से ताहशा सैफी, यजुर् तेलतिया और ऑर्नव नेगी ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में वीवीआईपी लिटिल चैम्पस ने 68 रन 10 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। आर्यन चौहान ने 33 गेंदों में नौ चौके और छह छक्कों की मदद से नाबाद 87 रन की पारी खेली। आर्यन चौहान को मैन ऑफ द मैच और ताहशा सैफी को बेस्ट बॉलर चुना गया।

खुले नाले में गिरी गाय का ग्रामीणों ने निकाला

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर इकोटेक-11 स्थित माधवा गांव के पास खुला नाला ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। खुले नाले में आए दिन लावारिस पशु गिरते रहते हैं। स्थानीय निवासी राजेश्वरी ने बताया कि शुक्रवार सुबह एक गाय खुले नाले में गिर गई। आसपास मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद गाय को बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि खुले नाले से बब्बू आती रहती है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी होती है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द खुले नाले को ढका जाए या उसके चारों ओर सुरक्षा दीवार और जाल लगाया जाए।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप व नकदी चोरी

नोएडा। ठक ठक गिरोह के बदमाशों ने सेक्टर-96 स्थित ई-स्वाचर बिल्डिंग के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप, वॉर्जर, 15 हजार रुपये नकद, पर्स और जरूरी दस्तावेज चुरा लिया। इस मामले में कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र निवासी अभिषेक प्रजापति ने पुलिस से शिकायत की है कि 15 जून को वह दोस्त के साथ ई-स्वाचर खरीदी की कर दो गे थे। जब वह लौटते तो देखा कि कार का शीशा टूटा हुआ है और अंदर रखा लैपटॉप, वॉर्जर, नकदी और अन्य सामान गायब है। कोतवाली प्रभारी डीपी शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गैस कनेक्शन बंद होने का झांसा दे 50 हजार ठगे

गाजियाबाद। साइबर अपराधियों ने गैस वेवा बंद होने का डर दिखाकर गोविंदपुरम स्थित गौर होम्स सोसाइटी में रहने वाले व्यक्ति के खाते से 50 हजार रुपये जमा लिए। जाससाजो ने फर्जी एसएमएस से ताल सजये थे भुगतान का लिंक भेजा। पीड़ित ने जैसे ही लिंक खोलकर बैंक विवरण भरा तो खाते से रुकम कट गई। कनिनगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शोरूम में गनमैन पर जानलेवा

गार्ड और उसके दो बेटों पर मुकदमा दर्ज



चाहता है। रामेश्वर दयाल ने चाबी देने से मना करने पर जितेंद्र आगबूला हो गया। गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर वहां से चला

गया। करीब एक घंटे बाद आरोपी

दोनों बेटों के साथ वापस लौटा। तीनों

ने धारदार हथियार से रामेश्वर दयाल

पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसमें

ग्रेटर नोएडा में बनेगा यूपी का पहला इलेक्ट्रॉनिक पाक

प्रातः किरण संवाददाता

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देते हुए यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-10 में राज्य का पहला इलेक्ट्रॉनिक पार्क स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को यहां दो प्रमुख औद्योगिक इकाइयों का शिलान्यास करेंगे। इस परियोजना में 4,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा। मुख्यमंत्री का आगमन दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच प्रस्तावित है। इस अवसर पर एक विशाल जनसभा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें लगभग पांच हजार लोगों के जुटने की उम्मीद है। प्रशासन ने



कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसमें पंडाल लगाने और सुरुखा व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य बुद्धस्तर पर जारी है। इस इलेक्ट्रॉनिक पार्क में एसेंट सफ्टवेयर और अंबर एंटरप्राइजेज जैसी प्रमुख कंपनियां 4,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेंगी। ये दोनों कंपनियां क्षेत्र

नोएडा में 80 लाख की धोखाधड़ी:1.95 करोड़ में भूखंड दिलाने की थी डील



प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा के सेक्टर-86 में 330 वर्ग मीटर का भूखंड बेचने के नाम पर 80 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर अदालत के आदेश के बाद सेक्टर-24 थाना पुलिस ने दो लोगों को खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 1.95 करोड़ रुपये में तय हुआ था सौदा सेक्टर-75 स्थित जेएम अरोमा सोसाइटी निवासी दीपक चौहान ने अदालत में दिए प्रार्थना पत्र में

बताया कि वह मूल रूप से सेक्टर-22 के चौड़ा सादातपुर गांव के निवासी हैं। वह काफी समय से प्लॉट खरीदने की तलाश में थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में उनकी मुलाकात सेक्टर-49 स्थित शताब्दी एंक्लेव निवासी धर्मेन्द्र चौहान से हुई। धर्मेद्र ने उन्हें सेक्टर-86 में 330 वर्ग मीटर का भूखंड दिखाया। दोनों के बीच प्लॉट का सौदा 1 करोड़ 95 लाख 91 हजार 440 रुपये में तय हुआ। बयान से लेकर नकद तक दिए 80 लाख रुपये शिकायत के अनुसार, 12 नवंबर 2025 को उन्होंने अपने मित्र मोहित पोरवाल के बैंक खाते से 10 लाख रुपये बयाने के तौर पर दिए। इसके बाद 26 दिसंबर 2025 को नोटराज्ज्ड एग्रीमेंट टू सेल किया गया, जिसके समय उन्होंने अपने बैंक खाते से 10 लाख रुपये और ट्रांसफर किए।

नोएडा में 2478 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण-शिलान्यास कल

नोएडा में सीएम योगी अदित्यनाथ शनिवार को 2478 करोड़ की 70 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। जिसमें 1045 करोड़ की 5 परियोजनाओं का लोकार्पण और 1434 करोड़ की 65 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। इसकी तैयारी प्राधिकरण ने पूरी की है। उन्होंने कहा कि खुले नहीं रह जाए इसका जिम्मा प्राधिकरण सौईओ ने खुद लिया। नोएडा में लोकार्पण वाली परियोजना मुख्य प्रशासनिक भवन सेक्टर-96 करीब 390 करोड़ में बनाया गया रेमीलेव संख्या 4 निर्माण करीब 18.40 करोड़ नोएडा एक्सप्रेस वे पर आईपीएस-1 सेक्टर-147 और आईपीएस-2 सेक्टर-145 से एमएसपीएस-1 सेक्टर-136 तक सीकर

महिला समेत दो लोगों से जाँब और ट्रेडिंग के नामपर 51 लाख की साइबर ठगी



प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा। साइबर जालसाजों ने एक महिला समेत दो लोगों से अलग अलग जाँब और ऑनलाइन ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 51 लाख रुपये की ठगी कर ली। दोनों की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित एक सोसाइटी में रहने वाली महिला ने पुलिस से शिकायत की है कि जुलाई 2025 में जालसाजों ने जाँब और ट्रेडिंग के नाम पर संपर्क किया। इसके बाद कम समय में ही अधिक मुनाफे के नाम पर झांसे में ले लिया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

उसके बाएं हाथ की नस कट गई।

चेहरे पर कई घृसे लगने से दांत टूट गया और सिर, गले, पेट और पसलियों

पर भी गंभीर चोटें आईं। घायल होने

से रामेश्वरम बेहोश होकर गिर पड़े।

आरोपी उसे मृत समझकर मौके से फरार हो गए। कुछ देर बाद होश आने पर उनके भाई ने परिचित को फोनकर घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एमएम्जी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के संबंध में भानु प्रकाश ने 23 जून को सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी पिता-पुत्रों के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।

मोहर्रम पर जगह-जगह जुलूस निकाला गया

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा, 26 जून (वेब वार्ता)। मोहर्रम पर शुक्रवार को शहर में जगह-जगह जुलूस निकाला गया। इमाम हुसैन की शहादत को याद किया गया। सेक्टर-12 और 22 से शुरू सेक्टर-50 तक पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग काले परिधानों में शामिल हुए। सेक्टर-8 और 9 स्थित मस्जिदों में विशेष नमाज अल्य की गई। इसके साथ ही सेक्टर-63 व 49 से भी जुलूस निकाला गया। पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा और प्रमुख चौराहों

किराएदार और साथियों ने दुकानदार पर हमला किया

गाजियाबाद। दीनदयाल पुरी में किरायेदार ने दुकान को अपनी बताते हुए उसे खाली करने से इनकार कर दिया। विरोध करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दुकान मालिक और उसके मित्र के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की शिकायत पर नंदग्राम थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में दीनदयाल पुरी निवासी विनोद ने बताया कि उनकी बहन सोना के नाम पर एक दुकान है, जिसे उन्होंने सोनू पंजाबी नामक व्यक्ति को किराये पर दिया था। शुरूआत में वह किरायेदार के रूप में दुकान का इस्तेमाल करता रहा, लेकिन अब उसने दुकान को अपनी संपत्ति बताया शुरू कर दिया है। जब भी उससे दुकान खाली करने या वापस करने की बात कही जाती है, वह साफ इनकार कर देता है। आरोप है कि हाल ही में वह अपने एक मित्र के साथ दुकान पर खड़े थे। इसी दौरान सोनू पंजाबी अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंच गया और दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद का कहना है कि शिकायत के आधार पर 25 जून को एक नामजद तथा अन्य अज्ञात के खिलाफ नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेवानिवृत्त रेलकर्मी से तीन लाख रुपये ठगे

गाजियाबाद। साइबर अपराधियों ने पेंशन सेटल करने के नाम पर क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में रहने वाले सेवानिवृत्त रेलकर्मी से तीन लाख रुपये ठग लिए। घटना के संबंध में पीड़ित ने थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। भीमनगर गली नंबर-छह में रहने वाले चंद्रपाल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह झांसी मंडल का भारतीय रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। कुछ दिन पहले उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को झांसी डीआरएम कार्यालय में तैनात अधिकारी बताते हुए कहा कि उनकी पेंशन का सेटलमेंट किया जाना है। सकाराी अधिकारी होने का विश्वास दिलाकर उसने बातचीत के दौरान उन्हें अपने झांसे में ले लिया। चंद्रपाल सिंह का आरोप है कि बातचीत के दौरान साइबर ठग ने तकनीकी तरीके से उनका बैंक खाता हैक कर लिया। इसके बाद उनके खाते से दो अलग-अलग ट्रान्जेक्शन में कुल 2.96 लाख रुपये निकाल लिए गए।

दंपति पर बुजुर्ग का प्लॉट कब्जाने का मुकदमा

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में बुजुर्ग ने एक दंपति पर उनके 150 वर्ग गज के पुरतैनी प्लॉट पर अवैध कब्जा करने, विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम अकबरपुर निवासी तिलक मीडिया पर बातचीत की, साथ ही डबल मुनाफे का लालच देकर निवेश करने की बात कही। झांसे में आने के बाद पीड़ित राजी हुए तो उन्हें एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ लिया गया। ठगों ने उससे 26 लाख रुपये ऐंट लिए थे। घटना के बाद उन्होंने 24 दिसंबर 2025 को एनसीआरपी ग्रेटर नोएडा पर शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में ठगों के बैंक खातों में 11 लाख रुपये फ्रीज कराने की कार्रवाई हुई है। अब दोनों मामले में नोएडा साइबर क्राइम सेक्टर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। डीसीपी साइबर श्रेया गोयल ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है।

बुजुर्ग के घर से लाखों के नगदी-जैवर चोरी

प्रातः किरण संवाददाता

गाजियाबाद। चूकना मोड़ स्थित सुभाष नगर में रहने वाले बुजुर्ग के घर से लाखों रुपये के नगदी-जैवर और अन्य सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर नंदग्राम पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ के आधार पर चोरी सामान की बरामदगी के प्रयास में जुटी है। सुभाष नगर निवासी 65 वर्षीय सतीशचंद्र शर्मा ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि पत्नी का एक वर्ष पहले निधन हो चुका है। वह रोज सुबह कार्यालय चले जाते हैं, जबकि उनका छोटा बेटा दोपहर बाद काम पर निकलता है। इससे दिन में घर अक्सर खाली रहता था। पीड़ित के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से घर से सामान गायब हो रहा था। 16 जून को बेटा मोबाइल घर पर भूल गया, जो अगले दिन नहीं मिला। इसके बाद जब उन्होंने घर के अंदर के कमरे का



निरीक्षण किया तो एक कमरे का ताला गायब मिला और रसीदों में रखा खाली सिलेंडर भी नहीं था। तब उन्हें घर में चोरी होने का पता चला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस जांच करने पहुंची तो पड़ोसी युवक ने बताया कि गौरव नाम का युवक अक्सर घर से सामान ले जाता था। इसके बाद पुलिस ने गौरव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने गैस सिलेंडर चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। पीड़ित के मुताबिक, घर में देखने पर पता चला

कि सिलेंडर, मोबाइल फोन, करीब 22 हजार रुपये की नगदी, सोने के चेन, हार, कढ़े, चूड़ियां, अंगूठियां, झुमके, कुंडल, मांग टीका, नाक की लॉग, चांदी की पाजेब, चेन, बिछुए समेत अन्य आभूषण भी चोरी हो गए हैं। पीतल का लोटा, बिजली का तार और अन्य घरेलू सामान चोरी हो गया। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद का कहना है कि शिकायत के आधार पर 25 जून को नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मोहर्रम पर जगह-जगह जुलूस निकाला गया



पर यातायात को भी नियंत्रित किया गया। जुलूस के रास्ते में कई स्थानों पर लोगों को के लिए शरबत और उड़े पानी की व्यवस्था की गई। इस दौरान युवाओं ने कौशल दिखाया।

टेंपो में चढ़ते ही जेब से मोबाइल चोरी

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में टेंपो में सफर के दौरान जेब कते ने एक युवक का मोबाइल फोन पर कर दिया। पीड़ित ने तलाश की, लेकिन आरोपी और मोबाइल का सुरग नहीं लगा। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से जिला करीली, राजस्थान के गांव सनेट निवासी रंजू लाल मीना वर्तमान में शिवपुरी गली नंबर-दो स्थित एक मकान में परिवार के साथ किराये पर रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बोंगे 24 जून की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह विजयनगर टी-व्हाइट से सेक्टर-62 जाने के लिए टेंपो में सवार हो रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति टेंपो से उतरकर तेजी से वहां से चला गया। रंजू लाल मीना ने बताया कि कुछ ही क्षण बाद जब उन्होंने अपनी जेब में रखा मोबाइल फोन देखा चाहा तो वह गायब मिला।

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने स्पোর্ट्स पोर्टल में तकनीकी खराबी के कारण 1 से 5 जुलाई के बीच प्रस्तावित सभी सीबीएसई गेम्स 2026-27 प्रतियोगिताओं को 15 जुलाई तक स्थगित कर दिया है। पोर्टल सुचारु रूप से कार्य नहीं करने के कारण देशभर के स्कूल खिलाड़ियों का पंजीकरण और प्रतियोगिताओं के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे थे। इसके चलते बोर्ड को खेल कैलेंडर में बदलाव करना पड़ा।सीबीएसई ने सभी आयोजक स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि वे 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच प्रतियोगिताओं के आयोजन के हज़ारों खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। तकनीकी समस्या के कारण पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित हो गई है। हर वर्ष नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ खिलाड़ियों का चयन, प्रशिक्षण और ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो जाता है, लेकिन इस बार स्पোর্ट्स पोर्टल में

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित पंचशील हाइनिश सोसाइटी के सामने प्रस्तावित नाली चौड़ीकरण कार्य को लेकर निवासियों और अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) ने विरोध शुरू कर दिया है। आरोप है कि नाले की सफाई अब तक कभी कराई नहीं गई है। अब नाले का चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिसमें 8 से 10 साल पुराने पेड़ काट दिए जाएंगे, जो सरासर गलत है। आरोप है कि केवल टेंडर जारी कर ठेका दे देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कार्य शुरू करने से पहले स्थल को वास्तविक स्थिति, पर्यावरणीय प्रभाव और स्थानीय आवश्यकताओं का समुचित मूल्यांकन किया जाना चाहिए था। एओए अध्यक्ष विनोद नेगी ने बताया कि प्राधिकरण की ओर से नाले का चौड़ीकरण प्रस्तावित है, जिसके तहत सोसाइटी के मुख्य गेट



क्लस्टर प्रतियोगिताओं पर भी पड़ेगा। इन प्रतियोगिताओं में पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बरेली मंडल और उत्तराखंड के हजारों खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। तकनीकी समस्या के कारण पंजीकरण प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित हो गई है। हर वर्ष नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ खिलाड़ियों का चयन, प्रशिक्षण और ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो जाता है, लेकिन इस बार स्पোর্ट्स पोर्टल में

अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मारी, हालत नाजुक

प्रातः किरण संवाददाता

गाजियाबाद। नगर कोतवाली क्षेत्र में मेरठ मोड़ फ्लाईओवर पर हिट एंड रन की घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी मर्ई 2026 को पुलिस बल की मौजूदगी में भवन को सील कर दिया गया था। आरोप है कि 12 जून को निरीक्षण के दौरान पाया कि सील तोड़ दी गई है और दोबारा निर्माण कार्य कारया जा रहा है। कविनगर पुलिस का कहना है कि अगर अभियंता की शिकायत पर लोकेश और उनकी बेटी कामल के खिलाफ 25 जून को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई की जा रही है।



रात करीब आठ मेरठ मोड़ फ्लाईओवर के पास किसी अज्ञात वाहन ने तेज गति और लापरवाही से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद गौरव ने अपने मित्र को फोन कर सूचना दी। मित्र और राहगीरों की मदद से उसे नरेंद्र मोहन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार शुरू हुआ।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्सका शतक,दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एंजेसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोेटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछ करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी।



दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।

नीदरलैंड्स की पारी

लक्ष्य का पीछ करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सांन्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सांन्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए। वहीं, फेबे ने 41 रनों का योगदान दिया। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरीं स्ट्रे कालिस ने 26 रन बनाए, जबकि बैबेट डी लीडे 11 रन बनाकर पवेलियन लौटी। इसके बाद नीदरलैंड्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम मुश्किल से 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। नीदरलैंड्स की छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार करने में नाकाम रहें। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, क्लोई ट्रायोन ने चार ओवर के स्पेल में 16 रन देकर दो विकेट निकाले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 208 रन लगाए। टीम को कप्तान एल वोल्वार्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 13.3 ओवर में 121 रन जोड़े। वोल्वार्ट ने 36 गेंदों में छह चौकों की मदद से 45 रन बनाएवहीं, ब्रिट्स ने लाजवाब बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। ब्रिट्स ने 69 गेंदों में 114 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, अंत के ओवरों में एनेरी डेर्कसेन ने महज 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। गेंदबाजी में नीदरलैंड्स की तरफ से एकमात्र विकेट हन्ना लैंडहोर् ने चटकाया।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां हैं सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एंजेसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए। मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि

टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही। हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटें, वे टीम के

सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताने के लिए पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

सेमीफाइनल के लिए हर हाल में चाहिए होगी जीत

भारतीय टीम को ग्रुप स्टेज के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन भारतीय टीम ऐसे मुकाबलों का इंतजार करती है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भारत की पसंदीदा विपक्षी टीम बताया। हरमनप्रीत ने कहा, हम जानते हैं कि हर मैच जीतना जरूरी है, और कभी-कभी जब चीजें आपके हिसाब से नहीं होतीं, तो आपको अपना बेस्ट देना होता है। ऐसे में मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं, तो इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली पिछली जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उस जीत ने खिलाड़ियों का भरोसा मजबूत किया और कई मानसिक बाधाएं भी दूर कीं।



जर्मनी को हरा इतिहास रच गया इक्वाडोर पूरे देश में जश्न, अवकाश घोषित किया

न्यू जर्सी, एजेसी। फीफा विश्व कप 2026 से एक बेहद चौंकाने वाली और ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। ग्रुप-ई के अपने आखिरी मुकाबले में अंडरडॉग मानी जा रही इक्वाडोर की टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को 2-1 से धूल चटा दी है। स्थानीय समयानुसार गुरुवार (25 जून) को न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर इक्वाडोर ने विश्व कप के नॉकआउट स्टेज में जाह पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश में राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा कर दी है।

इस महाविजय के बाद राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक और गर्व से भरी पोस्ट साझा की। उन्होंने टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए खिलाड़ियों और मुख्य कोच सेबेस्टियन बेकासेसे का आभार जताया।

राष्ट्रपति नोबोआ ने लिखा ‘खिलाड़ियों और कोच को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने तमाम आलोचनाओं, अपमान और कठिन दौर से गुजरने के बावजूद शानदार वापसी की और पूरे देश को यह असीम खुशी दी। कल (शुक्रवार) देश में छुट्टी रहेगी! इक्वाडोर



अमर रहे। ‘

ऐसे पलटा मैच का पासा

इक्वाडोर के लिए यह राह आसान नहीं थी। टीम को अपने पहले मैच में आइवरी कोस्ट से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि कुराकाओ के खिलाफ दूसरा मैच गोलरहित ड्रा रहा था। वहीं दूसरी तरफ जर्मनी की टीम पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुकी थी और मैच में जीत की प्रबल दावेदार थी। मैच की शुरुआत में जर्मनी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। फ्लोरियन विर्ट्ज के पास पर लेरॉय साने ने मैच का पहला शॉट सीधे गोल पोस्ट के भीतर दागकर जर्मनी को

शुरुआती बढ़त दिला दी। साने ने बड़ी ही आसानी से गेंद को इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गैल्लिंडेज को छकाते हुए निचले बाएं कोने में डाल दिया। इस गोल के तुरंत बाद इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने फाउल की अपील की। रीप्ले में भी यह देखा गया कि गोल से ठीक पहले जर्मनी के अलेक्सान्द्र पाव्लोविच का पैर इक्वाडोर के मिडफील्डर प्रेडो विटे के सिर पर लगा था, लेकिन अपायर ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

निल्सन एंगुलो का जादुई गोल

शुरुआती झटका लगने के बावजूद इक्वाडोर ने हिम्मत नहीं हारी। टीम ने पूरे दमखम और आक्रामकता के साथ वापसी की। मैच के

9वें मिनट में ही निल्सन एंगुलो ने मिडफील्ड से मिले एक ढीले पास को लपका और मैनुअल न्यूर जैसे दिग्गज गोलकीपर को छकाते हुए एक बेहद दमदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पहले हाफ तक दोनों टीमों 1-1 की बराबरी पर रहें।

मैच का सबसे निर्णायक क्षण 77वें मिनट में आया। दाएं छोर से मिले एक कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हवा में उछलकर गेंद को गोल पोस्ट की तरफ फ्लिक किया, जहां खड़े गोंजालो प्लाटा ने बिना कोई गलती किए फुर्ती से गेंद को नेट के अंदर धकेल दिया। इस गोल के होते ही स्टेडियम में मौजूद इक्वाडोर के फैंस और डगआउट में बैठे खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

सांस रोक देने वाला रोमांच

2-1 की बढ़त लेने के बाद इक्वाडोर की टीम पूरी तरह से डिफेंसिव मोड में आ गई। मैच के अंतिम क्षणों और 7 मिनट के इजरी टाइम में जर्मनी ने बराबरी का गोल दागने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन इक्वाडोर के डिफेंस ने चट्टान की तरह डटकर जर्मनी के हर वार को नाकाम कर दिया। आखिरकार, अंतिम सीटी बजने के साथ ही इक्वाडोर ने 2-1 से मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, अनिमेष-उन्नथी ने किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरुवार को कई भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2026 एशियन गेम्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। प्रतियोगिता के दौरान सिंधुश्री ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्पिरट्स अनिमेष कुजूर और उन्नथी बोल्लांड ने एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर लिया।

महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सिंधुश्री ने 4.25 मीटर की ऊंचाई पार कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजी मीना पॉलराज के 4.21 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड अक्टूबर 2022 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन चैंपियनशिप के दौरान बनाया गया था। इसी स्पर्धा में बरानिका पर्लैंगोवन ने 4.20 मीटर की छलांग लगाकर एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया।पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने सेमीफाइनल में 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स का क्वालिफिकेशन मानक हासिल किया। इसके बाद फाइनल में उन्होंने 20.74 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में उन्नथी बोल्लांड ने 23.658 सेकंड का समय निकालते हुए एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। वहीं हरिता ने 23.55 सेकंड का समय लेकर क्वालिफिकेशन मानक पार किया और जापान में होने वाले महाद्वीपीय खेलों का टिकट हासिल किया।

वापसी के लिए तैयार सेरेना विलियम्स, पहले दौर में जॉइंट से सामना; जोकोविच को मिली सातवीं वरीयता

सात बार की विंबलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।



सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी की नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नए चरण

की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विंबलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था।पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेन्का को शीष वरीयता मिली है। विंबलडन की वरीयताएं एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

शिवम की कहानी: ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

ओवरवैट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट

मुंबई, एंजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।

26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया।

आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

पांच साल बाद मैदान पर लौटे और बदल दी किस्मत

करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया।

आईपीएल ने बदली जिंदगी

शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीएसके के लिए उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 2022 में 289 रन, 2023 में 418 रन, 2024 में 396 रन, 2025 में 357 रन और 2026 में 270 रन बनाकर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। आईपीएल में वह अब तक 92 मैचों में 2129 रन और 10 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं।

रोहित शर्मा का भरोसा, सूर्यकुमार की टीम के भी बने हीरो

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी ताकत को पहचाना और उन्हें मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाज की भूमिका सौंपी। शिवम ने इस भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर कई मैचों का रुख बदला। गेंदबाजी में भी जख़ूत पड़ने पर महत्वपूर्ण विकेट निकालकर टीम को संतुलन दिया। वह 2024 में रोहित शर्मा और 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे।

विश्व कप के बड़े मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

बड़े खिलाड़ियों की पहचान बड़े मैचों से होती है और शिवम दुबे ने यह कई बार साबित किया। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद 2026 विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 25 गेंदों पर 43 रन की तेजतर्रार पारी खेली। फाइनल में भी उन्होंने महज आठ गेंदों पर 26 रन बनाकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इन पारियों ने साबित किया कि दबाव वाले मुकाबलों में भी वह टीम के लिए मैच विनर बन सकते हैं।शिवम दुबे ने तीन नवंबर 2019 को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 48 पारियों में 16 बार नाबाद रहते हुए 991 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.12 रहा है। इसके अलावा उन्होंने 31 विकेट भी अपने नाम किए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने चार मैच खेलते हुए 43 रन बनाए हैं और एक विकेट भी लिया है।

डिप्टी सीएम ने बाबरी मरिजद और मदरसों के चंदे के बारे में पूछा, कहां- अयोध्या को बदनाम करने की हो रही साजिश

मिर्जापुर, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अयोध्या को बदनाम करने की साजिश हो रही है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने उन्होंने मदरसों व बावरी मरिजद के चंदे के बारे में एक भी प्रश्न पूछा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा और कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वे सनातन को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। मुजेहरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बावरी मरिजद के लिए चंदा लिया गया। क्या किसी ने एक प्रश्न भी पूछा कि यह पैसा कहा से आया और कहा गया। विपक्षी तुट्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। यह अयोध्या को बदनाम करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि मदरसों का संचालन, कहां से पैसा आ रहा है, टेंटर फंडिंग हो रही है। उसके बारे में किसी ने पूछा। अखिलेश यादव से पूछिए कि उन्होंने मदरसों व बावरी मरिजद के चंदे के बारे में एक भी प्रश्न पूछा। संभल में मंदिर पर कब्जा कर अपने घर में मिला लिया। किसी ने एक सवाल पूछा। भ्रष्टाचार पर सरकार की जीरो टालरेंस नीति है। अयोध्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। पुलिस अपना काम कर रही है। कहा कि मिर्जापुर जिला पार्टी की प्राथमिकताओं में है। विंध्याचल धाम का विकास हुआ है अब यहां पर प्रतिदिन हजारों की भीड़ बड़ी सरलता से मां विंध्यावासिनी का दर्शन कर रही है। इसके पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का हैलीकॉप्टर मुजेहरा में उतरा। वहां से वे सड़क मार्ग से विंध्याचल गए। वहां से वापस आकर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता किया और प्रबुद्धजनों से संवाद किया। इस अवसर पर नगर विधायक रत्नाकर मिश्र, मंड्यावां विधायक शुचिरमिता मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष लालबहादुर सरोज व अन्य थे।

हिमाचल में 13.28 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ नष्ट, 10 स्थानों पर एक साथ हुई बड़ी कार्रवाई

शिमला, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस पर हिमाचल प्रदेश में ‘एंटी-चिट्ठा दिवस’ मनाते हुए 10 स्थानों पर एनडीपीएस मामलों में जब्त 13.28 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया गया। पुलिस ने इसे इग्रा माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई बताते हुए लोगों से नशा तस्करी की सूचना 112 पर देने की अपील की। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी ‘एंटी-चिट्ठा जन-आंदोलन’ के तहत शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस के अवसर पर पूरे हिमाचल प्रदेश में ‘एंटी-चिट्ठा दिवस’ मनाया गया। इस दौरान प्रदेशभर के 10 स्थानों पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत विभिन्न मामलों में जब्त किए गए नशीले पदार्थों का वैज्ञानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के तहत सामूहिक रूप से निस्तारण किया गया। हिमाचल प्रदेश पुलिस के अनुसार, नष्ट किए गए मादक पदार्थों का अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य करीब 13.28 करोड़ रुपये है। यह हिमाचल के इतिहास में पहली बार हुआ है, जब पूरे प्रदेश में एक साथ इतने बड़े स्तर पर नशीले पदार्थों के निस्तारण की कार्रवाई की गई। इस अभियान को मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मुख्य सचिव कमलेश पंत ने प्लैग ऑफ कर्र मोनितर किया। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल जब्त मादक पदार्थों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि इग्रा माफिया को कड़ा संदेश देना, युवाओं को चिट्ठा और अन्य नशीले पदार्थों से बचना तथा समाज को नशा मुक्त अभियान से जोड़ना भी है। इसी अवसर पर प्रदेश की नशे से अधिक प्रभावित पंचायतों में नशा निवारण समितियों की बैठक आयोजित की गई। खिलाफ जनजागरुकता बढ़ाने और राज्य सरकार की ‘जीरो टॉलरेंस’ नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने पर चर्चा की।

किम जोंग ने किया बड़ा धमाका, उतारे परमाणु बमों से लैस युद्धपोत, हिला अमेरिका-जापान!

प्योंगयांग, एजेंसी। किम जोंग उन इस जहाज का कई बार निरीक्षण कर चुके हैं। इसी साल अप्रैल में उन्होंने इसी श्रेणी के युद्धपोथ से क्रूज मिसाइल परीक्षण की निगरानी भी की थी। लेकिन किम जोंग उन का सबसे बड़ा ऐलान अभी बाकी था। दुनिया में सिर्फ कुछ ही देशों के पास परमाणु हथियार है। लेकिन अब किम जोंग उन एक ऐसा कदम उठाने की तैयारी में है जिसने अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया की चिंता बढ़ा दी है। उत्तर कोरिया अब अपनी परमाणु ताकत को जमीन और आसमान के बाद समुद्र तक पहुंचाने की तैयारी में है। इतना ही नहीं किम जोंग उन ने 10,000 टन वजनी नए रणनीतिक युद्धपोतों के निर्माण का भी खुलेआम ऐलान कर दिया है। दरअसल बता दें कि उत्तर कोरिया के नाम को बंदरगाह शहर में चोम नाम के युद्धपोत को नौसेना में शामिल किया गया। इस समारोह में किम जोंग उन ने बड़ा ऐलान करते हुए यह कहा कि देश की नौसेना को परमाणु क्षमता से लैस करने का कार्यक्रम तय योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है। किम के मुताबिक यह उत्तर कोरिया की परमाणु ताकत को और भी ज्यादा प्रभावी ऑपरेशन के लिए तैयार करेगा। चोहो कोई साधारण युद्धपोत नहीं है। यह करीब



5000 टन वजनी डिस्ट्रयर है और उत्तर कोरिया पहले ही यह दावा कर चुका है कि इसे उसके सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस किया गया है। किम जोंग उन इस जहाज का कई बार निरीक्षण कर चुके हैं। इसी साल अप्रैल में उन्होंने इसी श्रेणी के युद्धपोथ से क्रूज मिसाइल परीक्षण की निगरानी भी की थी। लेकिन किम जोंग उन का सबसे बड़ा ऐलान अभी बाकी था। क्योंकि अब बात सिर्फ यहां पर एक युद्धपोत की नहीं है बल्कि समुद्र में परमाणु ताकत उतारने की हो रही थी। किम जोंग उन ने ये कहा कि चो योंग के बाद जल्द ही कांग को नाम का एक और डिस्ट्रयर ऑपरेशन के लिए तैनात किया जाएगा और फिर एक के बाद एक 10,000 टन के रणनीतिक युद्धपोत लॉन्च किए जाएंगे। किम का लक्ष्य है कि उत्तर कोरिया हर साल ऐसे आधुनिक

युद्धपोत बनाए जो मौजूदा जहाजों से भी ज्यादा शक्तिशाली हों और यहीं से दुनिया की चिंता बढ़ जाती है क्योंकि अगर उत्तर कोरिया भविष्य में ऐसे युद्धपोतों पर परमाणु क्षमता वाली मिसाइलें तैनात करने में सफल हो जाता है तो उसकी सैन्य पहुंच पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ सकती है और यही वजह है कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया की हर नई सैन्य गतिविधि पर करीबी से नजर रखते हैं। अब ऐसे में सवाल है कि आखिर उत्तर कोरिया को इसकी जरूरत क्यों पड़ रही है? बता दें कि उत्तर कोरिया लंबे समय से अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान को अपनी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताता रहा है। हाल ही में अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने अपने सैन्य आधुनिकरण और संयुक्त सैन्य अभ्यासों को बढ़ाया है।

भारत में ईरान बहा देगा तेल की नदियां... दिल्ली पहुंचते ही खामेनेई मंत्री का बड़ा धमाका

तेहरान, एजेंसी। ईरान इस समय ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के बहाने भारत आया है। लेकिन असली खेल पदों के पीछे की द्विपक्षीय वार्ताओं में चल रहा है। इस संभावित नई डील की गहराई को समझने के लिए हमें इतिहास के उस दौर में जाना होगा जब ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध संश्लस नहीं लगे हुए थे। साल 2018-19 से पहले ईरान भारत को कच्चा तेल सप्लाई करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश हुआ करता था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत किस बेहतरीन और जादुई व्यवस्था के चलते ईरान से तेल खरीदता था।

भारत में एक बार फिर ईरानी तेल की

वापसी होने जा रही है क्या? ईरान के तेल मंत्री एनजी मिनिस्टर भारत पहुंचे हैं और आते ही उन्होंने बड़ा बयान दिया है। ईरान के तेल मंत्री एनजी मिनिस्टर मोहसिन पाक निजाद ने साफ संकेत दिए हैं कि ईरान भारत के साथ तेल, गैस और ऊर्जा क्षेत्र में बड़े स्तर पर सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। इतना ही नहीं दोनों देशों के बीच निवेश और व्यापार बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हो रही है। ईरान इस समय ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के बहाने भारत आया है। लेकिन असली खेल पदों के पीछे की द्विपक्षीय वार्ताओं में चल रहा है। इस संभावित नई डील की गहराई को समझने के लिए हमें इतिहास के उस



दौर में जाना होगा जब ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध संश्लस नहीं लगे हुए थे। साल 2018-19 से पहले ईरान भारत को कच्चा तेल सप्लाई करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश हुआ करता था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत किस बेहतरीन और जादुई व्यवस्था के चलते ईरान से तेल खरीदता था। डॉलर की छुट्टी

हो चुकी थी और रुपए में पेमेंट हो चुकी। भारत ईरान से जो भी तेल खरीदता था।उसका 45% भुगतान अमेरिकी डॉलर में नहीं बल्कि सीधे भारतीय करेंसी यानी रुपए में हुआ करती थी। इसके लिए भारत के एक बैंक में बाकायदा ईरान का एक विशेष अकाउंट खाता भी खोला गया था। बदले में भारतीय सामान भी दिया जाता था। कच्चे तेल के बदले यानी एक तरह से वाटर सिस्टम इसको कह लीजिए। ईरान उस रुपए का इस्तेमाल भारत से बासमती चावल, गेहूं, चीनी, चाय वगइयां खरीदने के लिए करता था। यानी भारत का पैसा चेस कर भारत के किसानों और व्यापारियों के पास ही

वापस आ जाता था। यानी कि भारत की इकॉनमी में ये पैसा वापस आ जाता था। तीसरा पॉइंट फ्री शिपिंग और इश्योरेंस। ईरान भारत को तेल बेचने के लिए इस कदर बेताब रहता था उस वक्त कि वो भारतीय रिफाइनरीज को मुफ्त में फ्री में समुद्री जहाज और मुफ्त बीमा की सुविधा भी दिया करता था खुद ईरान। चौथी बड़ी सुविधा भारत को मिली हुई थी लंबी उधारी की लॉन्ग क्रेडिट पीरियड जहां दुनिया के बाकी देश तेल देने के बाद तुरंत पैसा मांगते थे। वहीं ईरान भारत को भुगतान करने के लिए पेमेंट के लिए 60 से 90 दिनों तक का लंबा समय क्रेडिट के तौर पर देता था।

इकॉनमी में ये पैसा वापस आ जाता था। तीसरा पॉइंट फ्री शिपिंग और इश्योरेंस। ईरान भारत को तेल बेचने के लिए इस कदर बेताब रहता था उस वक्त कि वो भारतीय रिफाइनरीज को मुफ्त में फ्री में समुद्री जहाज और मुफ्त बीमा की सुविधा भी दिया करता था खुद ईरान। चौथी बड़ी सुविधा भारत को मिली हुई थी लंबी उधारी की लॉन्ग क्रेडिट पीरियड जहां दुनिया के बाकी देश तेल देने के बाद तुरंत पैसा मांगते थे। वहीं ईरान भारत को भुगतान करने के लिए पेमेंट के लिए 60 से 90 दिनों तक का लंबा समय क्रेडिट के तौर पर देता था।

मोहर्म जुलूस के दौरान बड़ा हादसा, हाईटेंशन लाइन से टकराया ताजिया, एक युवक की मौत

एटा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में शुक्रवार सुबह ताजिया के जुलूस के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। इसमें एक युवक की दर्दनाक मौत हुई है, जबकि सात लोग जखमी हैं। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी सामने आई कि एटा के अलीगंज इलाके में मोहर्रम पर जुलूस के दौरान ताजिया बिजली की हाईटेंशन लाइन से टकराया था। इससे ताजिया में करंट दौड़ गया और कई लोग इसकी चपेट में आ गए। ताजिया में करंट दौड़ने से जुलूस में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने तुरंत स्थिति को संभालने की कोशिश की। सभी घायलों को अलीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हालांकि, तब तक एक युवक की मौत हो चुकी थी, जिसकी पहचान शेख के रूप में हुई है। मृतक के चाचा इरफान खान ने आईएनएस को बताया कि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के बीच ताजिया का जुलूस निकाला जा रहा था। वहां 11 हजार की लाइन थी। ताजिया बिजली की लाइन से टकराया था, जिससे कई लोग घायल हो गए। इनमें से भतीजे शेख की मौत हो चुकी है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद हम लोग सीधे अस्पताल पहुंचे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जुलूस के दौरान कोई भी बिजली कर्मचारी मौजूद नहीं था। अगर कोई कर्मचारी मौजूद होता तो बिजली सप्लाई थोड़े देर रोकने से यह हादसा टल सकता था।

राम मंदिर मामले में ना किसी को फंसाना है, ना किसी को बचाना है: ट्रस्ट की एफआईआर से विश्व हिन्दू परिषद संतुष्ट

अयोध्या , एजेंसी। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में गुरुवार की शाम पहली एफआईआर भी दर्ज कर ली गई। एफआईआर में आठ लोगों को नामजद किया गया है। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से दर्ज कराई गई एफआईआर से विश्व हिंदू परिषद (विहिप) पूरी तरह संतुष्ट है। विहिप के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि इस मामले में किसी को न तो फंसाना है और न ही बचाना है। जो भी हुआ है, गलत हुआ है। जिसने यह सब किया है उसे दंड जरूर मिलेगा। आलोक कुमार ने एएनआई से बातचीत में चंपत राय की भूमिका पर भी संतोष जताया और कहा- ‘मैं बहुत संतुष्ट हूं। कल हमने कहा था कि एफआईआर होनी चाहिए। एसआईटी की रिपोर्ट (प्रारंभिक) आ गई। उसमें कुछ लोगों के नाम हैं। कुछ सबूत हैं। एफआईआर होनी चाहिए। मेरी संतुष्टि ये है कि जब ट्रस्ट के लोगों को उन नामों की जानकारी मिली तो उसके बाद में उन्होंने एफआईआर फाइल करने में एक कदम की भी देरी नहीं लगाई। तुरंत फाइल की है। और, ये तीसरा कदम है। पहला कदम था, जब ट्रस्ट की ओर से चंपत राय ने मुख्यमंत्री से कहा कि एसआईटी बनाइए। दूसरा कदम था कि जब एसआईटी पहुंची तो चंपत राय ने कहा कि आप मेरे से जांच शुरू करिए, मैं आपके सवालों का उत्तर देता हूं। और ये तीसरा कदम है। मुझे प्रसन्नता है कि एफआईआर हो गई। मैं उम्मीद करूंगा कि इस पूरे मामले में, और इस मामले में जिन लोगों के भी नाम आ रहे हैं, वो एफआईआर में हों या नहीं, उनकी जांच हो।’

गाजा युद्ध दोनों नेता अक्सर एक ही रणनीति पर चलते नजर आए

धोखेबाज...अब तो यहूदी भी तुमसे तंग आ गए, ट्रंप ने नेतन्याहू को लताड़ दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया को हमेशा यही दिखा कि डोनाल्ड ट्रंप और बेंजमीन नेतन्याहू की जोड़ी सबसे मजबूत थी। ईरान पर हमला हो या गाजा युद्ध दोनों नेता अक्सर एक ही रणनीति पर चलते नजर आए। लेकिन अब एक नई किताब ने इस रिश्ते की दूसरी तस्वीर सामने रख दी है। दावा किया गया है कि एक वक्त ऐसा भी आया जब खुद डोनाल्ड ट्रंप अपने सबसे करीबी सहयोगी माने जाने वाले नेतन्याहू पर बुरी तरह भड़क गए थे। यहाँ तक कि फोन पर उन्होंने कह दिया हर कोई तुमसे तंग आ चुका है। सभी यहूदी भी तुमसे परेशान हैं। यह दावा न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकार मैगी हैबरमैन और जोना फनसवानी की किताब रिजीम चैन इनाइड द एंपीरियल प्रेसिडेंसी ऑफ डोनाल्ड ट्रंप में ट्रंप को जोड़ने वाले डोन ऑपरेशन शुरू करने के लिए लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स और हेल्थकेयर सेक्टर के पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करेगा।

अधिकारी स्टीव विटकोफ और उनके दामाद जेरेट कुशनर की



कतर पर हमला कर दिया। इस हमले में हमारा के कुछ सदस्य मारे गए लेकिन एक कतरी सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। जिसके बाद ट्रंप ने नेतन्याहू को फोन किया। किताब के मुताबिक फोन पर ट्रंप का गुस्सा साफ नजर आया। उन्होंने नेतन्याहू से कहा, हर कोई तुमसे तंग आ चुका है। बीबी सी यहूदी भी तुमसे परेशान है। यहां तक कि इस कॉल पर मौजूद दो यहूदी भी तुमसे तंग आ चुके हैं। ट्रंप का इशारा उस समय कॉल पर मौजूद अमेरिकी

ओर था। दावा यह भी किया गया कि इस घटना के बाद ट्रंप नेतन्याहू को वाइट हाउस बुलाया और अपने सामने करार के शासक को फोन लगाकर उनसे माफी मंगवाई। किताब के मुताबिक ट्रंप नहीं चाहते थे कि गाजा युद्ध विराम की कोशिशें इजराइल की सैनिक कार्रवाई की वजह से पटरी से उतर जाए। किताब में एक और बड़ा दावा किया गया। इसमें कहा गया कि ट्रंप ने निजी बातचीत में नेतन्याहू को धोखेबाज तक कहा था।

होर्मुज में बढ़ा तनाव, डॉन हमले के बाद यूएन ने जहाजों की निकासी रोकी

तेहरान, एजेंसी। ओमान तट के पास एक जहाज पर हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निकासी रोक दी है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन ने सुरक्षा सुनिश्चित होने तक अभियान रोकने का फैसला किया है, यह घटना ईरान द्वारा जहाजों को दी गई चेतावनी के बाद हुई। संयुक्त राष्ट्र की एक समुद्री एजेंसी ने ओमान के तट के पास एक जहाज को निशाना बनाए जाने की जानकारी मिलने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को निकालने का काम रोक दिया है। ब्रिटिश सेना ने एक बयान जारी कर जहाज को निशाना बनाए जाने के बारे में जानकारी दी थी। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के प्रमुख ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को निकालने का काम तब तक रुका रहेगा, जब तक एजेंसी निकासी सूची में शामिल और उस इलाके में मौजूद जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर लेती। इससे कुछ घंटे पहले ईरान ने जहाजों को चेतावनी दी थी कि वे उसकी मंजूरी के बिना, होर्मुज जलडमरूमध्य से जाने वाले मार्ग का इस्तेमाल न करें। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के महासचिव आर्नियो डोमिनग्वेज ने कहा कि जिस जहाज पर हमला किया गया, वह निकाले जाने वाले जहाजों में शामिल नहीं था। अमेरिका के एक अधिकारी ने ‘द एसोसिएटेड प्रेस’ को बताया कि ईरान के एक ड्रोन से जहाज पर हमला किया गया। उन्होंने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा कि मालवाहक पोत ‘एजर लवली’ को ईरान के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड के एक ड्रोन से निशाना बनाया गया था।